परमेश्वर अपने विशिष्ट गुणों के द्वारा अपनी पहचान को दे रहा है

मैं एक प्रकार से मेरे मित्र जोसफ बोझ को वहां पर देख कर अचंभित रह गया था, और मैं पीछे मुडा और मैंने उसके साथ हाथ मिलाकर कुछ समय को बिताया।

2 आइए परमेश्वर के वचन की ओर मुड़ेंगे, इब्रानियों उसका पहला अध्याय। मैं उसका कुछ भागको पढना चाहता हूं, पहला, दूसरा और तीसरा पद, आज रात के विषय के लिए ध्यान दिलाना चाहता हूँ।

पूर्व युग में परमेश्वर ने बाप दादों से थोड़ा थोड़ा करके और भांति भांति से भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बातें कर के।

इन दिनों के अन्त में हम से पुत्र के द्वारा बातें की, जिसे उस ने सारी वस्तुओं का वारिस ठहराया और उसी के द्वारा उस ने सारी सृष्टि रची है।

वह उस की महिमा का प्रकाश, और उसके तत्व की छाप है, और सब वस्तुओं को अपनी सामर्थ के वचन से संभालता है वह... पापों को धोकर ऊंचे स्थानों पर महामहिमन के दाहिने जा बैठा।

3 आइए अब प्रार्थना के लिए अपने सिरों को झुकाए। और अब उसकी दैविक उपस्थिति में, यदि आपके पास कोई भी विनती है, जो आप उसके लिए अवगत करवाना चाहेंगे, क्या आप अपने हाथों को ऊपर उठायेगे, और यही आपकी विनती है, जो परमेश्वर...

4 हमारे स्वर्गीय पिता, हम अब आपके सिंहासन के सम्मुख आते हैं, विश्वास के द्वारा यीशु मसीह के नाम में, जो आपका पुत्र है। और हमें यह आश्वासन दिया गया है कि, "यदि हम उसके नाम से कुछ भी मांगते हैं इसे प्रदान किया जाएगा।" और आप हमारे इच्छाओं और हमारी जरूरतों को जानते हैं, और आपने प्रतिज्ञा की है कि आप वो सब हम देंगे जिसकी हमें आवश्यकता है। तो, पिता हम प्रार्थना करते हैं जैसे आपने हमें सिखाया है, "तेरा राज्य आए तेरी इच्छा इस धरती पर पूरी हो जैसे आसमान में पूरी

होती है।" यही आज रात हमारी विंनती है, हो सकता है आपके इच्छा के अनुसार हमें इसे दे और इस सौभाग्यो को प्रदान करें। वचन को अभिषेक करें प्रभु, और सारे प्रचारको और सुनने वालो अभिषेक करे, और होने पाए आज रात हमारे बीच में पवित्र आत्मा आकर करने वाला बने। क्योंकि हम इसे उसके नाम से मांगते हैं। आमीन।

आप लोग बैठ सकते है।

5 कल सुबह, मैं समझता हूं फुल गोस्पल बिजनेसमैन के नाश्ते की सभा होगी, अक्सर जहां पर उनके पास एक पादरियों की सभा होती है, मेरे पास उनके नाश्ते पर बोलने का मौका है। इस समय के लिए, यही वो केवल संस्था है, जो एक संस्था नहीं है, लेकिन, केवल वो ही झुंड है जिससे मैं—मैं ताल्लुक रखता हूं, जो क्रिश्चन बिजनेसमैन है। और अब मैं बस उनके लिए अंतर्राष्ट्रीय तौर से बोलूंगा।

6 अब, आज रात, हम भरोसा कर रहे हैं कि हमारा ये इकट्ठा होना व्यर्थ नहीं जाएगा। मैं आपके पास थका हुआ आया हूं, घिसा हुआ गला है, और मुझे जरा श्वास से सम्बंधित...

7 मैं ट्यूसान से आया हूं, जहां पर वास्तव में अनुकूल और सुखा था, और मैं यहां आया हूं और यह वास्तव में अनुकूल और नम है, तो यहाँ थोड़ा सा विपरीत मौसम है। यदि आप सारा का सारा पानी यहां पर लाते, यदि आप बस इसे हमारी और भेजते हैं, हम इसकी सराहना करते। लेकिन आप निश्चय ही इसे नहीं कर सकते हैं।

8 लेकिन मैं आपको एक बात बताता हूं, वहां पर एक दृष्टांत है। हमारी—हमारी—हमारी सारी एरीजोना में की चींजे, हमारे पेड़, पूरी तरह से काँटों से भरे हुए हैं। हर एक चीज काँटों से भरी हुई है। यह इसलिए है क्योंकि यहाँ सूखा है। अब यदि वही झाड़ियां यहां पर उगती तो इस पर एक बहुत ही बढ़िया पत्ती आती। देखो, यह बिना पानी के हैं इसी कारण से ये काँटेदार बन जाते है।

9 और जब कलीसिया बिना जीवन के पानी के होती है, यह भी सुखी और काँटेदार बन जाती है, काँटेदार और छेददार इत्यादि। लेकिन जहां पर जीवन का जल बहता है यह पत्तियों को खोल देता है और इसी तरह से कोमल, नरम, मधुर, पवित्र बनाता है, परमेश्वर के निमित स्वीकार करने योग्य। तो होने पाए प्रभु परमेश्वर आज रात हमें वो जल को दे, जिससे हम

कांटेदार ना बने; लेकिन हम एक अच्छी पत्तियां बने, जिससे वे थके हुए लोग उसके तले बैठ सके उस पेड़ के छाया तले और उनके प्राणों के लिए विश्राम पा सकें।

10 अब मैं आज रात विषय को लेना चाहता हूं, यदि प्रभु की इच्छा हुई तो और मैं इस माइक्रोफोन को नजदीक लेता हूं जितना मैं इसे नजदीक ले सकता हूं क्योंकि आवाज बहुत ही कम है। मैं यहां इब्रानियों 11 से पढना चाहता हूं, मैं आज एक विषय को लेना चाहता हूं: *परमेश्वर अपने विशिष्ट गुणों के द्वारा अपनी पहचान को दे रहा है*। मैं फिर से दोहराना चाहता हूं, क्योंकि मैं जानता हूं, यहां पर आवाज बहुत ही खराब है, परमेश्वर अपने विशिष्ट गुणों के द्वारा अपनी पहचान को देता है।

11 अब, लगभग कोई भी चीज उसके विशिष्ट गुणों के द्वारा पहचानी जाती है। और मेरे पास कुछ यहां पर वचन है जिसे मैं लूंगा... और लिखा हुआ है, जिसका मैं इसके साथ उल्लेख करूँगा। अब विशिष्ट गुण किसी की भी पहचान देते है कि यह क्या है।

12 अब, जैसे सारी प्रकृती में, वे फूल, बहुत बार अपने विशिष्ट गुणों के द्वारा पहचाने गए हैं। यदि वे आपस में नजदीक आते हैं, एक जाति का फूल दूसरे जाति के, उस फूल के विशिष्ट गुण उसकी पहचान को देंगे कि वो फूल कौन सा है। और जंगल के जीवन में, बहुत सी बार...

13 मैं, मैं एक शिकारी हूं। और आपको यह जानना होता है कि उस जानवर का विशिष्ट गुण क्या है जिसका आप शिकार कर रहे हैं, या कभी–कभी आप निश्चय ही भरमाये जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, जैसे की वहां ऊपर ब्रिटिश कोलंबिया में वो स्टोन भेड़ होती हैं। मैं पिछली बारिश में युकोन के अंदर ही था, उनमें से कुछ भाई अभी यहां पर है, जो आप मेरे साथ शिकार पर थे।

14 अब यदि आप फर्क को नहीं जानते, जब आप एक भेड़ या एक हिरण पद चिन्हों को को देखते हैं, आप फर्क को नहीं बता सकते हैं, आप एक कम समझ के शिकारी होते थे। क्योंकि दोनों ही एक ही सामान पद चिन्ह बनाते है; वे छलांग लगाते हैं जब वे दूर भागते हैं। और फिर आप एक को कुछ ही दूरी पर सिर को छिपाए हुए खड़ा हुआ देखते है, इसलिए, आप—आप मुश्किल से ही फर्क को जान सकेंगे। उनका पिछला भाग लगभग एक ही आकार का होता हैं; यह सफेद होता है, बिल्कुल जैसे की

हिरन होता है, उनका फर्क बताना बहुत ही मुश्किल होता है। लेकिन उनके सिंग उसके विशिष्ट गुण की पहचान देते हैं, उनके सींगो के द्वारा। भेड़ के गोलाकार सिंग होते है, और हिरण के सिंग बाहर की ओर निकले कांटेदार की तरह होते है। और एक बात, हिरण भोजन के लिए ज्यादा ऊंचाई पर नहीं जायेंगे।

15 और फिर बकरा भी चलता है, और बकरे के और भेड़ के भी एक विशिष्ट गुण होते हैं, जिससे आप उनके बीच में फर्क को जान जायेंगे, जब आप ऊंचाई पर जाते हैं क्योंकि वे दोनों पहाड़ की ऊंचाई पर रहते हैं। आपको फर्क को जानना होता है। लेकिन यदि आप ध्यान दें, एक—एक बकरी जब वह चलती है, अपने आप में रुक–रुक कर चलती है; जहाँ, एक भेड़ जब वो चलता है, अपने पैरो को नीचे *इस* तरह से रखता है। और उसके चलने पर एक विशिष्ट गुण होते हैवह अपने पथ चिन्हों को बनाता है। आप अपने शिकार को उनके विशिष्ट गुणों के द्वारा जान जाएंगे कि वे क्या करते हैं, किस तरह से कार्य करते हैं और क्या खाते हैं और इत्यादि। उनके विशिष्ट गुणों के द्वारा अपने आप की पहचान देते है। आप एक पर झपट्टा मारे और देखे कि क्या होता है, जिस तरह से वे भागते है, आप बता सकते हैं। आप विभिन्न जानवरों को उन विशिष्ट गुणों के द्वारा बता सकते हैं।

16 तब क्या कभी आपने ध्यान दिया, मैं नहीं जानता आपके यहां पर यह होता है कि नहीं, पिला पथरचिरटा है; तो ठीक है, फ्लिकर उसका सही नाम है और एक जय पक्षी। जय पक्षी और पिला पथरचिरटा दोनों लगभग एक ही आकार के पक्षी हैं। और आप दोनों को उड़ते हुए देखते हैं, वे दोनों लगभग एक तरह के ही पक्षी हैं। यदि आप उनके रंग को ना देखें तो, लेकिन केवल उनकी ओर ध्यान दें आप बता सकते हैं कि पिला पथरचिरटा कौन सा पक्षी है। जय पक्षी उड़ता है, ज्यादा या कम, सीधे रास्ते पर होता है। लेकिन पिला पथरचिरटा अपने पंखों को हिलाता रहता है; जब वह अपने पंखों को हिलाता है, वह नीचे जाता है, और फिर ऊपर और फिर नीचे और फिर ऊपर। देखो, वह अपने आप को *इस* तरह से बांध के रखता है, और आप उसके विशिष्ट गुणों से बता सकते हैं, यह पिला पथरचिरटा है, जिस तरह से वो उड़ता है।

17 यदि आपने ध्यान दिया हो, वो—वो बटेर जब बाहर आता है और

जिस तरह से ऊपर आता है। और फिर ध्यान दें यदि आप एक दलदल में होते हैं जहां हो सकता है, जहाँ बटेर हो सकते है और एक—एक चाहा पक्षी होता है। और शिकारी इसे जानता है। वो विल्सन के चाहा पक्षी और जैक स्नाइप, वे जिस तरह से बाहर आते हैं और जाते हैं उससे वे पहचाने जाते हैं। वे अपने उड़ने के विशिष्ट गुणों के द्वारा अपनी पहचान देते हैं कि वह किस प्रकार के पक्षी हैं। इसलिए यदि आपने कभी उन्हें सुना होगा, आप बस बता सकते हैं, वो क्या था, जिस तरह से भी बाहर आते हैं, वो क्या है, वे अपने उड़ने के विशिष्ट गुणों के द्वारा अपनी पहचान को देते हैं।

18 जैसे एक पुरुष और एक महिला होती है। वह दोनों मनुष्य जाति है, लेकिन एक महिला के पास पुरुष से विभिन्न विशिष्ट गुण होते हैं। मैं यहां कुछ समय पहले पढ़ रहा था, उस सुलेमान और रानी के बारे में। मैंने कभी भी यहां पर आपके लिए मेरे छोटे से संदेश को प्रचार नहीं किया है, दक्षिण की रानी के बारे में, जो सुलेमान को देखने के लिए आ रही थी, और वो उस परखने के दान को देखना चाहती थी। मैं यहां ज्यादा समय नहीं हुआ इसके बारे में पढ़ रहा था और उन्होंने कहा कि, "एक असुलझी बात जो सुलेमान के सामने रखी गई, वह यह थी कि इस रानी ने एक महिला को लिया या मेरा मतलब है बहुत महिलाओं को लिया और उन्हें पुरुष के वस्त्रो को पहना दिया।"

19 अब यह उन दिनों में अजीब हुआ करता था, लेकिन यह निश्चय ही आज आधुनिक है। और—और आप जानते हैं यह गलत है। बाइबिल ने कहा एक महिला को इस तरह से नहीं करना चाहिए। "यह महिला के लिए एक घृणित बात है, एक पुरुष के नाई कपड़ों को पहनना।" और न बदलने वाले परमेश्वर ने इसे कहा है, इसलिए यह सच है।

20 तो हम देखते हैं कि सुलेमान ने उन्हें और नहीं देखा, उसने उन्हें चलने के लिए कहा और ऐसा ही कुछ करने और तुरंत ही वह कहता है, "यह स्त्रीयां है।" देखो, उस महिला के विशिष्ट गुणों के द्वारा बता सकता है, जिस तरह से वह खुद के लिए व्यवहार करती है, वह बताती है कि वह महिला है पुरुष नही।

21 और फिर लगभग हर एक चीज इसी तरह से होती है, वो अपने विशिष्ट गुणों के साथ होती है। जैसे कि बहुत से लोग दाएं हाथ के होते हैं और बाएं हाथ के होते हैं। वह इस तरह से विशिष्ट गुण होते हैं वह अपने आप को

इस्तेमाल करते हैं। आप बता सकते हैं कि यह दाये हाथ का व्यक्ति है या बाएं हाथ का व्यक्ति है, जिस तरह से वह अपने आप में व्यवहार करता है, जिस प्रकार से वह हमेशा ही बताते है कि वह सीधे हाथ का है या उल्टे हाथ का है।

और याद रखना यीशु के पास कुछ इसी तरह से था, जिससे...

22 दोनों हाथ लगभग... दोनों एक समान होते हैं। उनके पास लगभग एक ही प्रकार के अंगूठे के निशान होते है, उंगलियों के निशान, छोटे चिन्ह और इत्यादि। बिल्कुल वैसे ही जैसे बाया हाथ और दायाँ हाथ पास एक सी उंगलियां होती है, साधारण रूप से दोनों बिल्कुल एक समान के हाथ होते हैं। और वहां उनके बीच में केवल एक ही फर्क होता है कि एक दाहिना है और दूसरा एक बाहिना है। यही केवल फर्क होता है आप बता सकते हैं एक दाहिना हाथ है और दूसरा वाला बाहिना हाथ है।

23 इसलिए इस पर, यीशु ने कहा... मैं शायद हो सकता है यहां पर कुछ एक बात को डालूं। यीशु ने मत्ती 24 में कहा, कि "आत्मा के विशिष्ट गुणों की परख अंतिम दिनों में इसी तरह से होगी, वह दोनों इतने एक समान होंगे कि हो सके तो चुने हुए भी भरमाए जाएंगे।" देखा बिल्कुल एक जैसे...

24 आप अपने हाथ को उठा कर, इस तरह से ऊपर पकड़े रखें। देखो, यदि आपने ध्यान ही नहीं दे तो, उनमें से एक दूसरे के जैसा ही दिखाई देता है, हर एक बात में, लेकिन उनमें से एक दाहिना है और दूसरा बाहिना है।

25 इसी तरह से अंतिम दिनो में आत्माये है।वे कुछ हद तक ऐसे ही एक जैसे हैं, लेकिन उनके पास एक विशिष्ट गुण होता हैं जिससे उनकी पहचान होती है। एक सही होता है और जो दूसरा एक गलत होता है, और उनके विशिष्ट गुणों के द्वारा पहचान की जा सकती है।

26 परमेश्वर का आत्मा उसके विशिष्ट गुणों के द्वारा पहचाना जा सकता है। समझे? परमेश्वर का आत्मा और कलिसिया का आत्मा। वहां पर एक कलीसिया का आत्मा है और एक परमेश्वर का आत्मा है, जो बिल्कुल थोडा भी कलीसिया के आत्मा के जैसा नहीं होता है।

वहां एक संप्रदाय का आत्मा है।

27 वहां एक राष्ट्रीय आत्मा है। वहां एक राष्ट्र की आत्मा है। हर एक राष्ट्र, जब आप उसमें जाते हैं, जब आप उसमें चलकर जाते हैं, आप वहां एक

विभिन्न आत्मा को पायेंगे। मैं फिनलैंड के अंदर गया, वे अच्छे लोग हैं, लेकिन वहां एक फिनिश आत्मा थी। मैं जर्मनी के अंदर जाता हूं, वहां पर एक जर्मन आत्मा है।

28 यहां ज्यादा समय नहीं हुआ, मैं अपनी पत्नी के साथ जा रहा था, जब हम उस वक्त भी इंडियाना में रहते थे, हम कुछ वर्ष पहले, उस छोटे से सुपर मार्केट पर थे। मैं जब मैं घर पर आया। हमें कुछ भोजन की वस्तु लेने के लिए जाना था। और मैं अपने रास्ते पर जा रहा था, हम... यह ग्रीष्म काल का समय था, आप हो सकता है इसे विश्वास न करें, लेकिन हमने एक महिला को देखा, जो एक तरह के कपड़ो को पहने हुए थी। और वह बहुत ही अजीब सा लगा... जिससे मैं हैरान रह गया। मैंने—मैंने कहा, "वहां पर देखो, वह बहुत अजीब दिख रही है, जिस तरह से उसने कपड़ों को पहना हुआ है।" बाकी लोग जो कपड़े पहनते हैं, जिससे वो महिला की जैसे... नहीं दिखाई दी। और—और उस महिला ने कहा... मैंने कहा, "तो, यह अमेरिका के जैसा आत्मा है, देखो, ये अमेरिका का आत्मा है।"

29 अब अमेरिका का आत्मा, इसे एक... मसीह राष्ट्र होना चाहिए था, लेकिन इस राष्ट्र का आत्मा, मसीही नहीं है। इसे एक मसीह राष्ट्र कह कर बुलाया जा सकता है, लेकिन यह उसके विशिष्ट गुणों में मिलो मील दूर है। इसलिए इस महिला ने, मैंने कहा...

महिला ने कहा, "तो ठीक है, क्या हम अमेरिका के नहीं है? "

30 कहा, मैंने कहा, "नही, हम यहां पर रहते हैं। यह हमारा देश है। हम—हम—हम इस में रहते हैं। हम इसे प्रेम करते हैं। यह संसार में सबसे उत्तम राष्ट्र है। लेकिन फिर भी हम अमेरिका के नहीं हैं।" मैंने कहा, "हम ऊपर से जन्मे हैं। पवित्र आत्मा नीचे उतर कर आया और हम एक राज्य से ताल्लुक रखते हैं। जो इस संसार का नहीं है।" मैंने कहा, "इसी कारण से हमारी बहनें कपड़े पहनती है, लंबे बाल रखती हैं, चेहरे पर लीपापोती नहीं करती। देखो, उनके विशिष्ट गुण 'प्रभु के निमित पवित्रता'की पहचान देते हैं, जो ऊपर से है।

31 इसीलिए हम एक राज्य के लिए देख रहे हैं। हम एक राजा के लिए देख रहे हैं, जो आकर उसके लोगों को उसके राज्य के लिए ले लेगा। और वे उनके—उनके गुणों के द्वारा पहचाने गए हैं, कि उनकी जायदाद इस धरती की या इस राष्ट्र की नहीं है। यह ऊपर महिमा में है। इसीलिए, वे, "वे एक

नगर को देखते हैं, जिसका बनाने वाला और रचने वाला परमेश्वर है।" वह ठीक तरह से पहचाने जाते हैं।

32 काश मेरे पास किसी रात प्रचार करने के लिए प्रयाप्त आवाज होती थी। लेकिन मैं—उससे निकल आया हूं। अब, उसके विशिष्ट गुणों के द्वारा पहचाना गया।

33 हम यहां पर इस्राएल के समय एक अच्छे उद्धरण को देखते हैं, जो प्रतिज्ञा देश के अंदर आया। और परमेश्वर ने उन्हें उसकी प्रतिज्ञाओं के अनुसार बुलाया था। उसने अब्राहम को बताया, कि वो क्या करेगा, "उसका बीज इस अजनबी राष्ट्र में चार सौ तक होगा और फिर वह उसे बड़े सामर्थी हाथों के जरिए से छुटकारा देगा। और फिर उन्हें एक देश में जाना है, जिसकी प्रतिज्ञा की थी गई थी, जहां दूध और मधु की नदियाँ बहती है।" और फिर जब प्रतिज्ञा का समय नजदीक आया, वहां एक फिरोन आता है, जिसने युसूफ की महान सेवकाई को नहीं पहचाना, जो उनके बीच में थी।

34 और इसे, परमेश्वर ने एक नबी को खड़ा किया, जिसका नाम मूसा था, और वह मनुष्य मिस्त्रियों के सारे ज्ञान से निपुण था। इसमें कोई संदेह नहीं, कि वह एक महान, चतुर, बुद्धिमान मनुष्य था, क्योंकि वह मिस्त्रियों के ज्ञान को सिखा सकता था। वह एक पूरी तरह से छुड़ाने के लिए एक सही व्यक्ति जैसा दिखाई दिया।

35 लेकिन आप देखना, जिसे हम छुटकारा कहते हैं, और जिसे परमेश्वर छुटकारा कहता है, इस में फर्क है।

36 अब इस मनुष्य को देखना जो सारे उसके नीति शास्त्रों के साथ था, वह जानता था, उसने इस्राएल को छुड़ाने के लिए जन्म लिया है। फिर भी, वो उसकी सारी शिक्षा के साथ, जिसके बारे में वो सब जानता था, और यह जानते हुए कि वह परमेश्वर से एक काम को करने के लिए बुलया हुआ है, उसके पास वह सब... उसके पास उसकी बैचलर ऑफ आर्ट की और उसकी पीएच.डी और एल.एल. बी और इत्यादि की डिग्री थी। और वह इस्राएल को छुड़ाने ले लिए निकल पड़ा, और पूरी तरह से हार गया था।

37 अब ध्यान देना, यह ऐसा दिखा, उसके पांव मिस्त्र के सिहांसन पर होंगे, फिरोन बनने के लिए, जिससे वो इस्राएल की संतान को छुड़ा सकेगा, उसके फिरौन बनने के बाद जाता है, क्योंकि वह सिहांसन के लिए—के

लिए उसके बाद कतार में था। लेकिन आप देखें, ऐसा इस तरह से करने पर, परमेश्वर के विशिष्ट गुणों की पहचान नहीं होगी, उसके लोगों को छुड़ाने में।

38 उसने कहा, वह उन्हें छुड़ाएगा। *वो* उन्हें "एक सामर्थी हाथों के द्वारा छुड़ाएगा," ना ही मूसा की सामर्थी शक्तिशाली सेना के द्वारा, लेकिन परमेश्वर के सामर्थी हाथो के द्वारा।

39 हम देखते हैं कि यह नबी दूर भाग गया, और चालीसवर्षों तक जंगल में था। फिरोन ने शिक्षा को उसके अंदर से डालने के लिए चालीस वर्ष ले लिए और परमेश्वर ने उसके अंदर से निकालने के लिए चालीस वर्ष ले लिये। तो, हम पाते हैं, एक दिन वो पीछे उस रेगिस्तान में था, उसने प्रभु परमेश्वर से जलती हुई झाड़ियों में मुलाकात की, जो एक झाड़ी में अग्नि के स्तंभ में के रूप रखा हुआ था। और उसे जूते उतारने के लिए कहा गया कि जिस भूमि पर वह खड़ा था वह पवित्र थी। अब इस भले, सभ्य, पढ़े लिखे मनुष्य को देखना, जो वो रहा था, अब परमेश्वर से मुलाकात करने के बाद उसके बदलते हुए विशिष्ट गुणों को देखना। उसने लगभग वो कर दिया था...

40 कभी–कभी परमेश्वर इन बातों को एक ऐसे साधारण तरीके से करता है, और संसार की सोच के तरीके से, एक तरह का मूर्खतापूर्ण तरीका है। एक मनुष्य को ध्यान देना, जो पूरी तरह से हारा हुआ है; सारी मिस्त्र की सेना के साथ और हर एक चीज जो उसके आसपास है ताकि वो परमेश्वर की इच्छा को पूरा करें, वो अपनी सारी पढ़ाई लिखाई के साथ है, लगभग चालीस वर्ष की उम्र, उसके श्रेष्ठता में। यहां पर यह अस्सी वर्ष का बूढ़ा है, जो अगली सुबह को, अपनी पत्नी के साथ खच्चर के पीठ उसे लादकर और उसके बालक को, उसके गोद में बैठाकर और हाथ में छड़ी को लेकर, मिस्त्र की ओर बढ़ रहा है, उसे कब्जा करने के लिए। आप उस हास्यापद दृष्टी के बारे में बात करें! लेकिन यह परमेश्वर के विशिष्ट गुणों को प्रदर्शित कर रहा था, क्योंकि उसके पास एक मनुष्य था, जो उसके वचन पर विश्वास करता है। ऐसा ही है। ये बात ऐसी थी, क्या आप कल्पना कर सकते हैं एक मनुष्य आक्रमण के लिए मिस्त्र की ओर जा रहा है, जहां पर एक सेना हार गई थी? लेकिन यह क्या था? उसके विशिष्ट गुण और उसकी तकनीकें बदल चुकी थी। वह प्रभु के नाम से जा रहा था। "मैं जो हूं सो हूं।" बात

ऐसी थी कि उसने इस पर कब्जा कर लिया। उसने कर लिया, क्योंकि वह प्रभु की सामर्थ में जा रहा था।

41 उसके मार्ग पर, इस्राएल की उस प्रतिज्ञा देश की ओर अगुवाई करते हुए, वह अपने संस्थागत भाई मोआब के संपर्क में आया। अब मोआब, किसी भी तरह से मूर्तिपूजक नहीं था। जो लूत के बेटियों की संतान थी। उनमें से एक संतान के वंश से मोआब था।

42 अब वहां पर, मैं इन दो राष्ट्रों को ध्यान दिलाना चाहता हूं, तुलना में, यहां पर मिस्त्र था, एक छोटा, लगभग बिखरा हुआ, उनके पास जाने के लिए कोई भी राष्ट्र नहीं था, कोई भी अधिकारी या कोई राजा नहीं, कोई नहीं या कोई भी छोटा–बड़ा उनके बीच में नहीं था, बस कुछ लोग जो अपने मार्ग प्रतिज्ञा देशकी ओर थे। और उन्हें मोआब के देश में से होकर जाना था। जो ठीक प्रतिज्ञा के मार्ग में था।

43 और मोआब भी यहोवा पर एक विश्वास करने वाला था, और उनके पास एक नबी था और इस्राएल के पास एक नबी था। दोनों के पास नबी थे।

44 और अब ध्यान करना, वे ऐसी जगह पर आए थे, वो संस्थापक राष्ट्र का नबी इस दूसरे राष्ट्र को श्राप देने के लिए नीचे आ रहा था, क्योंकि यह बस एक घुमक्कड़ था, उसके पास रहने के लिए कोई एक विशेष स्थान नहीं था। तो उन्होंने वहां पर आकर उन दो नबियों को देखा। जब यह सही रूप से बोलने की बात आती है, उनमें से दोनों वह दोनों बिल्कुल सही थे। क्योंकि ध्यान देना, बालाम, उस बिशप ने उन्हें बताया, "अब तुम मेरे लिए सात वेदियों को बनाना।"

45 सात परमेश्वर की सम्पुर्व संख्या है, जो सात कलीसिया के युगों को दर्शाता है, सृष्टि करने के दिनों को दर्शाता है और इत्यादि। अब ध्यान दें सात, परमेश्वर सात में संपूर्ण है।

46 "सात वेदियाँ, और हर एक वेदी पर एक—एक बैल को रखना।" बिल्कुल ऐसी यही वेदी है, जो इस्राएल की छावनी में उनके पास थी। वे वहां इस्राएल में थे, उसी वेदी के साथ वे यहां पर आए थे; और वही बलिदान, एक बैल और एक बैल, एक नबी और एक नबी। दो राष्ट्र, आमने–सामने थे।

47 आज के दिन का एक बिल्कुल ही सिद्ध उदाहरण, जिसमें हम रह रहे हैं, यदि हमारे पास इसके अंदर जाने का समय होता था! ध्यान देना, परमेश्वर इसे एक दृष्टांत में कर रहा है, जिससे हम समान्तर देखेंगे।

48 अब बालम को हर एक वेदी के लिए एक मेढे की आवश्यकता थी। जो एक आनेवाले मसीहा में उसके विश्वास को बता रहा था। एक मेढ़ा, एक नर भेड़ यह उसी प्रकार का बलिदान था, जो वहां इस्राएल में था; वहां नीचे इस्राएल की छावनी में, यहाँ मोआब के पास। मूल रूप से, वे दोनों ही सही थे, लेकिन ध्यान देना, वह सिद्धांत के मूल रूप से सही थे।

49 लेकिन एक नबी जो इस्राएल की छावनी में था, उसके पास परमेश्वर का विशिष्ट गुण था। और परमेश्वर का वचन, वह उस युग के लिए परमेश्वर के प्रतिज्ञा पर बना रहा, क्योंकि वो एक मार्ग में था, जो प्रतिज्ञा किये देश को जाता है। समझे?

50 अब, जहाँ तक मूल रूप के भाग की बात है, बिलाम, बालाक बिल्कुल वैसे ही पहचाने जा सकते थे, जैसे मूसा पहचाना गया था।

51 लेकिन, आप देखना, मूसा परमेश्वर का सही नबी हुआ था, ना ही केवलमूल रूप के भाग में, लेकिन उसके पास परमेश्वर की पहचान थी। देखो, वह अपने कार्य पद पर था, बिल्कुल वो ही जो परमेश्वर ने उस युग के लिए प्रतिज्ञा की थी; ना ही नुह के युग के लिए, लेकिन तब के युग के लिए। "मैं तुम्हे एक देश में लेकर जाऊंगा, जहां दूध और मधु की नदियां बहती हैं।" वह उनके रास्ते पर थे, और इस्राएल उनके नबी मूसा के साथ पहचाना गया था, जो उस युग के सन्देश के साथ था। परमेश्वर के विशिष्ट गुण मूसा में पहचाने गये। एक अग्नि का स्तंभ उसके पीछे था। उसके पास क्रिया में प्राश्चियता भी थी; ना ही इसके लिए बोलते हुए, लेकिन यह क्रिया में थी। ना ही कि क्या होना है; जो ठीक अभी है!

52 ध्यान दें, उसके पास एक पीतल का सर्प था, जिसे बीमार और पीड़ित लोगों के लिए ऊपर लटकाया गया था, इसलिए मूसा दैविक चंगाई का अभ्यास कर रहा था। उसके पास प्राश्चियता थी, वह पीतल का सर्प दर्शा रहा था कि परमेश्वर छावनी में था, और लोग उस पीतल के सर्प की ओर देख रहे थे, और उन्होंने चंगाई को पाया।

53 उसके पास एक घात हुई चट्टान भी थी, जो उसके पीछे आ रही थी। और जो परमेश्वर की पहचान दे रही थी, जिससे उनके बीच में जीवन का

जल बना रहे, आनंद और उद्धार, जिससे कि वे नाश न हों, लेकिन उनके पास सनातन का जीवन था। यह एक नमूना... यह जंगल में घात की हुई चट्टान मसीह का एक नमूना थी, जो घात हुई थी।

54 फिर, वे प्रतिज्ञा के मार्ग पर यात्रा कर रहे थे। जो एक और पहचान थी, परमेश्वर के विशिष्ट गुण को दिखाने के लिए। कोई फर्क नहीं पड़ता, ये दूसरा एक कितना मूल रूप से, परमेश्वर के वचन के साथ है; उसके पास वचन का दृढ़ पालन था और साथ ही पहचान थी और उनके बीच में परमेश्वर के विशिष्ट गुण थे। परमेश्वर ने खुद की पहचान दी थी। दो नबी, वे दोनों ही नबी थे और उनमें से दोनों ही मूल रूप से सही थे; लेकिन परमेश्वर मूसा में उसके विशिष्ट गुणों की पहचान दी, क्योंकि उसके पास परमेश्वर के विशिष्ट गुण उसके साथ थे।

55 अब, फिर से परमेश्वर के विशिष्ट गुण हमेशा ही अलौकिक होते हैं, क्योंकि वह अलौकिक है। परमेश्वर अलौकिक है। यह हमेशा ही उस दिन की आधुनिक विचारधारा की सोच के लिए असमान्य होता है। आप यह जानते हैं। परमेश्वर ने हमेशा ही लोगो की योजनाओ को गड़बड़ी में डाला है, हर एक युग में धार्मिक झुंड के लिए—के लिए, जो कभी होकर गया है।

56 और एक बार भी ऐसा नहीं हुआ कि कभी एक व्यक्ति ने या लोगों के झुण्ड ने एक संदेश के ऊपर अपने आप को इकट्ठा करके संस्था हुए हो लेकिन जैसे वे मर ही गए और उस खांचे पर चले गए और फिर कभी भी ऊपर नहीं आए। ऐसा कोई इतिहास नहीं है। वे लूथरन, प्रेस्बिटेरियन, मैथोडिस्ट, वे बैप्टिस्ट, पेंटीकोस्टल और इत्यादि, फिर से कभी भी ऊपर नहीं आए, जब वे इसे झुंड बनाने लगते हैं।

परमेश्वर व्यक्तिगत के साथ व्यवहार करता है।

57 ध्यान दें, वह बहुत ही असाधारण है, जिस तरह से सोचते है। देखो, हमें एक विचारधारा से नीचे आना है और हमें *इस* तरह से विश्वास करना होगा। और तब परमेश्वर उसके वचन के साथ उसके पास आता है, जिसकी उन्हें प्रतिज्ञा की है, और इस वचन पर खुद की पहचान देता है। *यह* झुण्ड इसके लिए नहीं जा सकता है, क्योंकि ये इसमें विश्वास नहीं करते हैं। देखो, ये इसमें से खुद को अलग कर देते है।

58 जैसे यूसुफ, वह दाऊद का पुत्र था, और एक भला मनुष्य था, युसूफ जो मरियम का पति था। वह एक भला मनुष्य था, और कोई सन्देह नहीं

था, बाइबल को पढ़ता था, उन पर्त्रियो को निरंतर पढ़ता था, क्योंकि... वह एक मसीहा के आने के लिए देख रहा था, और वो जानता होगा कि वचन ने क्या कहा है, कि क्या बात जगह लेगी। यशायाह ने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी।"

59 तो ठीक है, अब वह इस जवान लड़की के साथ विवाह करने जा रहा था, जो मरियम थी, शायद हो सकता है उसकी अठारह वर्ष की उम्र रही होगी, और वह शायद थोड़ा सा उससे बड़ा होगा। और फिर जब उन्होंने सगाई कर ली ताकि विवाह करें, उन्हें दिखाया कि वह मां बनने वाली है। अब युसूफ के लिए इस प्रकार की बात पर सहमत होना यह बहुत ही कठिन था। कोई संदेह नहीं, लेकिन जो मरियम ने उसे बताया था, जो जिब्राइल से मुलाकात हुई थी। लेकिन, हम देखते हैं, जिस तरह से उसका गुण उसकी अगुवाई कर रहा था, उसने इसका संदेह किया।

60 अब उसने पाया वह मां बनने जा रही है, इससे पहले उनका विवाह हो। और बाइबिल में, इसकी सजा मृत्यु है, पत्थर मारने के द्वारा। एक अनब्याही स्त्री जो मां बनने जा रही है, उसे पत्थरवाह किया जाना होता था। इस्राएल में कोई व्यभिचार नहीं था। इसे बाहर रखा गया था। इसलिए हम व्यवस्थाविवरण में पाते है, यह हमें ऐसा बताता है।

61 अब हम देखते हैं, ऐसा दिखाई दिया कि मरियम ढाल की तरह केवल युसूफ का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही थी, उस कार्य के लिए जो उसने किया था। क्योंकि यदि वह विवाह से पहले से ही पाई जाती कि वह मां बनने वाली है, तब निश्चय ही उस पर पत्थरवाह किया जायेगा, तब उसके पास अब कोई तो होना है, जो उसके लिए एक ढाल की होकर बनकर खड़ा हो सके। और यह अत्यधिक सा दिखा, जैसे यह था, जो वो करने की कोशिश कर रही थी।

62 लेकिन यूसुफ उसकी बड़ी आकर्षित आंखों की ओर देख रहा था, और उसने कहा होगा, "युसूफ जिब्राइल ने मुझसे कहा है, कि 'पवित्र आत्मा तुझ पर छाया किया होगा, और यह बात जिससे तू—तू गर्भवती होगी, यह पवित्र आत्मा की ओर से है। यह परमेश्वर है। यही है वो जिसे "परमेश्वर का पुत्र" बुलाया जाएगा।'" और यूसुफ वह—वह—वह इसे विश्वास करना चाहता था, लेकिन यह असामन्य सी बात थी। जो इससे पहले कभी नहीं हुई थी।

63 और बिल्कुल इसी तरह से आज भी है। यदि हम केवल... यदि मेरे पास किसी भी असाधारणता को लोगों दिखाने का कुछ तरीका हो सकता था, यदि यह वचन के द्वारा पहचाना गया है, तब इसके विशिष्ट गुण साबित करते हैं, यह क्या है। यह परमेश्वर क्रिया में है।

64 युसूफ इसे जानना चाहिए था। उसे जानना चाहिए था, "एक कुंवारी गर्भवती होगी।" लेकिन वह इसके प्रति इमानदार बना रहा। उसने अपने आप को उससे दूर नही रखना चाहा है, मन में, लेकिन वह—वह इसे करने के लिए सोच रहा था।

65 और तब प्रभु का दूत उसे एकस्वपन में दिखाई दिया। क्या आपने कभी सोचा है, वह उसे एक स्वप्न में क्यों दिखाई दिया? उन दिनों में कोई भी नबी नहीं थे। वो स्वप्न बहुत साधारण सा था, इसकी अनुवाद करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। कहा, "युसूफ, दाऊद के पुत्र, मरियम को अपनी पत्नी करने से डरो मत क्योंकि जो वह गर्भवती हुई है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है।" देखो, इससे यह बात समाप्त गयी। देखो, वह उसके बाद ही उसके सपने में आया। लेकिन देखना, वहां पर कोई भी नबी नहीं था, जो वचन की पहचान दे, जैसे कि, "ये वो कुंवारी है जो गर्भवती होगी।" देखा? तो, इसलिए, वह उसे सपने में दिखाई दिया, क्योंकि वह ईमानदार था और बस एक भला मनुष्य था।

66 और मैं विश्वास करता हूं, परमेश्वर किसी भी भले व्यक्ति के पास किसी तरह से आएगा, और कार्य करने के द्वारा उस युग के लिए उस भले मनुष्य की पहचान देगा, यदि वह मनुष्य उस युग के लिए परमेश्वर का बुलाया हुआ है।

67 अब, लेकिन यह बहुत ही असमान्य बात थी, वे इसे समझ ही नहीं सकते थे। लेकिन हमेशा ही प्रकट होना उस युग के लिए प्रतिज्ञा वचन के अनुसार होता है, यह सब जो असाधारण बाते हैं।

अब वहां पर कुछ लोग हैं जो शायद यहां–वहां जाकर और कहते हैं, "तो ठीक है *यह* असाधारण है, यही परमेश्वर है। *यह* असाधारण है।"

68 लेकिन, आप देखना, इसे वचन के द्वारा पहचाना जाना होगा और वचन परमेश्वर है। समझे? और फिर इसके पहचान के विशिष्ट गुण पहचान को देते हैं कि यह कौन है, क्योंकि परमेश्वर ने कहा, "*यह* घटित होगा" और

ऐसा घटित होता है। समझे? और इसके विशिष्ट गुण परमेश्वर का वचन हैं, जो विशिष्ट गुणों के द्वारा पहचाने गए हैं, कि क्या हो रहा है।

69 उसने कहा अंतिम दिनों में वह पवित्र आत्मा को उंडेलेगा। उसने इसे किया। इसके विशिष्ट गुण ने पहचान दी कि ये परमेश्वर था, उसके वचन ने प्रतिज्ञा की थी। देखो, यह अपने आप में हमेशा ही पहचान देते है।

70 अब, हमेशा ही, हर समय वचन सुधार करता है, जब वचन ने कहा कि ये गलत है। क्या कभी आपने ध्यान दिया? ये नुह के दिनों में था, जिसने विज्ञानिक युग को सुधार किया था, वो परमेश्वर पानी को आकाश से नीचे लाने जा रहा था। ये मूसा था, देखो, जिसने सुधार किया, जब वह सब मिस्त्र में बस गए थे और इत्यादि, लेकिन परमेश्वर का वचन को आना ही था पहचाने जाने के लिए। और वचन की सच्चाई गलतियों को सुधार करती है।

71 मैं आपसे कुछ पूछता हूं। हो सके तो हम यहां थोड़ा गहराई में जायेगे। मैं शिक्षा या सिद्धांत के लिए प्रचार नहीं करना चाहता हूं, लेकिन मुझे आपसे बस एक बात को पूछने दो।

72 यीशु वो वचन था। हम यह जानते हैं। बाइबल बताता है कि वो था। संत यूहन्ना, पहला अध्याय, "आदि में वचन था, वचन परमेश्वर के साथ था, वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में डेरा किया।" वो अभी भी वचन ही है। फिर जब वह अपने विचारों का अर्थ बता सकता है, उन्हें यह जानना चाहिए कि यह वचन ही था, क्योंकि परमेश्वर के वचन ने कहा, कि वो ऐसा ही करेगा। वो नबी था।

73 अब ध्यान देना, हम देखते हैं कि जब उसने जन्म लिया था, लगभग बारह वर्ष की उम्र का था, वह मंदिर के पर्व के लिए गया। और वे वहां उनके फसव पर्व के लिए गए थे। और जब वे वापस अपने मार्ग पर थे, और वे अपनी तीन दिन की यात्रा पर गए थे और उन्होंने उसे खो दिया; वे अर्थ लगा रहे थे, सोच रहे थे, मेरा मतलब वे अनुमान लगा रहे थे कि वो वहां बाहर अपने लोगों के बीच था।

74 हम इसमें से एक बात को सीख सकते हैं। ऐसा ही बहुत कुछ आज है! अब आप जो मेथोडिस्ट है, बैप्टिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन, कैथोलिक और जो कोई भी आप हैं, देखो, आप भी उसी बात को कर रहे हैं। आप अनुमान लगा रहे हैं, क्योंकि वैसली के पास एक महान बेदारी थी, लूथर

के पास एक महान बेदारी थी, और पेंटीकोस्टल के पास एक महान बेदारी थी, आप इसका अनुमान लगा रहे हैं कि वो लोगों के बीच में हैं, जब कि, कभी–कभी वो वहां पर नहीं होता है।

75 वे उसे ढूंढने के लिए वहां चले गए। उन्होंने उसे कहां पर पाया? जहां पर उन्होंने उसे छोड़ा था, उस येरूशलम पर। और जब उन्होंने उसे पाया, वह क्या कर रहा था? एक छोटा सा बारह वर्ष की उम्र का लड़का, शायद वह कभी भी स्कूल में नहीं गया हो, जो उसकी मां ने उसे सिखाया था उससे अधिक वो नहीं जानता हो; और यहां वह मंदिर में था, उन याजक लोगो के साथ परमेश्वर के वचन के बारे में वाद–विवाद कर रहा था। और वे उस बालक के बुद्धि पर अचंभित रह गए थे। क्यों? क्योंकि वह वचन था। अब देखना।

76 अब ध्यान देना, और अब मैं आपका जो कैथोलिक लोग हैं, उनका अनादर नहीं कर रहा हूं, जो मरियम को परमेश्वर की माता कह कर बुलाते हैं, लेकिन मैं बस आपको यहां पर एक छोटी सी गलती को दिखाना चाहूंगा। यदि कलीसिया मरियम के ऊपर बनी है, देखो, क्या होता है। अब उसने वहां पर आकर और उसने कहा, "तुम्हारे पिता और मैं तुम्हे आंसु बहाते हुए तलाश कर रहे थे।" उस बयान को देखना, उसने तब अपनी खुद की गवाही को दोष लगाया। उसने कहा, "तुम्हारे पिता और मैं तुम्हे आंसु बहाते हुए तलाश कर रहे थे।"

77 शब्दों पर ध्यान दो। वो वचन था। उसने कहा, "क्या तुम नहीं जानते कि मुझे अपने पिता के कार्य में होना ही है? " वचन को देखना जो गलती को सुधार करता है। ठीक वहां उन याजको के सामने, उसने अपनी गवाही को उजाड़ दिया था, कहा था कि वह पवित्र आत्मा के द्वारा गर्भवती हुई है, और यहां पर वह कहती है कि उसका "पिता" यूसुफ है। देखो, क्या यहां शब्दों को तुरंत पकड़ सकते है? वह वचन था। अब, आप जानते हैं कि एक बारह वर्ष का लड़का ऐसा नहीं करेगा। वह वचन था। वह उस युग का कहा हुआ वचन था, इसलिये वह परमेश्वर का पहचाना गया विशिष्ट गुण जो मसीह में था। उसने गलतियों का सुधार किया। उसने कहा...

उन्होंने कहा, "क्यों, हम मूसा के चेले हैं।" देखा?

78 उसने कहा, "यदि तुम मूसा के चेले होते थे तो तुम मुझे जानते, उसने मेरे लिए लिखा था, मूसा ने कहा था, 'प्रभु तुम्हारा परमेश्वर मेरे

जैसे एक नबी को खड़ा करेगा।' तुम मुझे जान जाओगे, यदि तुम मूसा को जानते थे।"

79 और देखो वचन हमेशा ही उस दिन की गलती को सुधार करता है। लेकिन लोग इसे विश्वास करना पसंद नहीं करते हैं। वह बस उसी बात पर अटके रहते हैं, बिल्कुल उसी तरह से।

80 लेकिन यीशु ने अपनी मां का सुधार किया। और उसकी मां गलती में थी, क्योंकि उसने पहले कहा था कि वह बालक पवित्र आत्मा के द्वारा गर्भवती हुआ था, और यहां पर उसने अपनी गवाही को घुमा दिया और कहा, युसूफ उसका पिता है, वो यीशु का—का पिता है। अब यदि—यदि युसूफ...

81 यदि वह यूसुफ का पुत्र होता था, यदि वह अपने पिता के कार्य को करता था, वो वहांपर सुतार की दुकान पर होता था।

82 लेकिन वह वहां उस मंदिर में अपने पिता के कार्य पर था, उन संस्थाओं को लताड़ रहा था। देखा? वह अपने पिता के कार्य पर था, केवल बारह वर्ष का लड़का। कहा, "क्या तुम नहीं जानते, मुझे अपने पिता के कार्य पर होना ही है? "

83 क्या आपने ध्यान दिया जब यीशु की शैतान के द्वारा परीक्षा हुई थी? उसके विशिष्ट गुण वहां पर थे, जब वो उसकी परीक्षा में था, उसे परमेश्वर होने की पहचान दी गयी, क्योंकि वह वचन के साथ बना हुआ था। देखा? शैतान ने यीशु से कहा, "ऐसा लिखा है।"

कहा, "ऐसा भी लिखा है।" वो ठीक वचन के साथ बना रहा।

84 "परमेश्वर विभिन्न समय में" हम यहां पर पढ़ते हैं। "परमेश्वर विभिन्न समय में, " पुराने समय में, "भांति–भांति तरह से" बहुत प्रकार से, "उसके नबियों को दर्शनों के द्वारा खुद की पहचान दी।" जो एक नबी के विशिष्ट गुण थे, जो उसने पहले से होने वाली बातों को बताया और यह घटित हुए थे। अब यह उसके विशिष्ट गुण थे जो उसकी पहचान थे, कि वो परमेश्वर उसके साथ था। तब यह उस दिन के वचन को अनुवाद का अधिकार देते हैं, क्योंकि "परमेश्वर का वचन नबियों के पास आता है," उस नबी का विशिष्ट गुण यह है कि होने वाली बातों को पहले से बताते है।

85 बाइबिल ने कहा, "यदि वहां पर एक ऐसा कोई है, और जब वह कहता है यह बात होने वाली है, फिर आप उसकी सुनते हैं; यदि यह घटित नहीं

होती है, उस पर विश्वास मत करो, उस से मत डरो, लेकिन मेरा... वचन उसमें नहीं है। लेकिन यदि यह पूरा होता है, तब मेरा वचन उसमें है।" यही उसकी पहचान है। यही एक नबी के विशिष्ट गुण है।

86 अब, परमेश्वर विभिन्न समय में, यही है, इसी तरह से उसने उसके विशिष्ट गुण को दिखाया, उसकी खुद की पहचान जो मनुष्य के लिए है, एक मनुष्य के जरिए से बोलते हुए, जिसे एक नबी कह कर बुलाया गया था। अब, बाइबल ने कहा, "परमेश्वर विभिन्न समय में, भांति–भांति तरह से, नबियों में से होते हुए उन पिताओं से बातें की।"

87 हम यह भी पढ़ते है, दूसरा पतरस में, कि सारा परमेश्वर का वचन उनके द्वारा लिखा गया था। "पहले के मनुष्य, पवित्र आत्मा के द्वारा चले, और पवित्र शास्त्र को लिखा।" वे नबी थे। वचन उनके पास आया और उन्होंने इसे लिखा। इसे वहां प्रेरणा के नीचे लिख दिया। सबसे पहले वे पहचाने गए नबी थे, फिर उन्होंने—उन्होंने प्रेरणा के वचन को लिखा, और उनके पास दैविक प्रकाशन का अनुवाद था, क्योंकि यह मनुष्य में परमेश्वर था।

88 अब इसी तरह से उसने उसके पहचान के विशिष्ट गुणों में अपने आप को दिखाया, उनके वे दर्शन प्रमाणित हुए थे, परमेश्वर के विशिष्ट गुण उनमें थे, जो खुद को लोगों के लिए ज्ञात करवा रहा था।

89 अब, केवल इसी तरह से वो मसीह में था। एक नबी बस एक छोटा सा अंश था। यीशु परमेश्वर की संपूर्णता था। और परमेश्वर मसीह में था, खुद को संसार से मेल मिलाप का रहा था। और उसके विशिष्ट गुणों ने उसकी पहचान दी, कि वो क्या था, यहाँ तक कि उसने यह कहा, "यदि मैं मेरे पिता के कार्यों को नहीं करता हूं, तब तुम इसका विश्वास मत करना। यदि मेरे पास पिता के गुण नहीं है, तब मुझ पर विश्वास मत करना, मैं जो दावा करता हूँ, उस पर विश्वास मत करना। यदि मुझ में मेरे पिता के गुण नहीं पाते है, तब तुम इसका विश्वास ही मत करना।"

90 अब उसके विशिष्ट गुण कभी भी नहीं बदलते हैं। उसके गुणों को नहीं बदलता है, नाही तब—तब एक—एक मेमने ने उसके गुण को कभी बदला सकता है या कोई भी ऐसी चीज उसके विशिष्ट गुणों को नहीं बदल सकती है। क्योंकि जब तक ये उसके मूल में है, यह मूल ही होता है। और यदि आप कोई भी चीज को बदलते हैं, तब आप इसे उसके मूल से बदल देते हैं।

91 यह बिल्कुल वैसे ही जैसे आप एक—एक सूअर ले सकते हैं, आप एक सुअर को धो सकते हैं, और उसके पैर के नाखुनो को रंग सकते है, जैसे स्त्रियां करती हैं, और उसे लिपस्टिक लगा दे, और इसे एक अच्छे वस्त्र पहना दे। उस पुराने सुअरी को बदल दे, वो सीधा वापस उसी कीचड़ में चली जाएगी, फिर से वहीं चली जाएगी। क्यों? क्योंकि वो एक सूअर है। ऐसा ही है। लेकिन, और, लेकिन आप जानते हैं, आप नहीं कर सकते...

92 एक मेमना ऐसा नहीं करेगा। वो यहाँ तक कीचड़ में जाएगा भी नहीं। वो इसके साथ कुछ लेना–देना नहीं रखना चाहता। यही इसके विशिष्ट गुण हैं। देखा? आप हो सकता है, उसे उसी तरह के कपड़ों को डालें, लेकिन निश्चय ही वो नहीं करेगा, वह निश्चय ही नहीं जाएगा। बाहरी रुप महत्व नहीं रखता; यह तो अंदर से होता है। अब, परमेश्वर सारे जीवन को देने वाला स्तोत्र है...

93 इसे समझने से चूकना मत। मैं कोशिश कर रहा हूं, जो कुछ मुझ में है, आप समझ जाये, ताकि आप कुछ तो देखे। समझे? यह आपके भले के लिए है, मित्रो। यह आपसे सम्बं—सम्बंधित है। देखा?

94 मैं यहां पर ऐसे ही दिखाने के लिए नहीं आया हूँ। मैं यहां इसलिए नहीं आया, मेरे पास जाने के लिए और कोई स्थान नहीं है। मैं यहां पर आया हूं, क्योंकि मैं यहां पर आने की अगुवाई महसूस की। मैंने महसूस किया कि प्रभु की सेवकाई जो मुझे मिली थी जिसे यहां लोगों के बीच में यहाँ दिखाना ही है, और मैं आपको समझाने की कोशिश कर रहा हूं, ताकि आप इसे देखें कि परमेश्वर अब वास्तव में क्या है। वो उसका प्रतिज्ञा किया हुआ वचन है। वह हमेशा ही वचन होता है, और वो विशिष्ट गुण के द्वारा अपनी पहचान को देता है, जिसकी उसने प्रतिज्ञा की है। एक विशेष चरित्र एक विशेष समय पर ऊपर आ जायेगा, जो वचन में है, तब उस व्यक्ति का विशिष्ट गुण जिसे ऊपर आने की पहचान देना है, कि ये ही वो व्यक्ति है।

95 यही वो कारण है, यीशु तो होना था वो कौन था। उन्हें उसे देखना चाहिए था। कोई आश्चर्य नहीं वे अंधे थे। बात ये थी... कहा कि भले ही उसने बहुत से चिन्ह चमत्कार किए है, फिर भी वे विश्वास नहीं कर पाए, क्योंकि यशायाह ने कहा, "उनकी आंखें हैं, और देख नहीं सकते, और कान हैं, और सुन नहीं सकते है।" देखा? हर एक युग में, ना की केवल उसके

युग में; लेकिन हर एक युग, कैसे "परमेश्वर विभिन्न समयों में, भांति–भांति तरह से," तब भी वे बस इसे नहीं पकड़ पाये।

96 अब, उसके विशिष्ट गुण कभी भी नहीं चूकते हैं। यह हमेशा ही एक से होते है। अब, याद रखना, उसके विशिष्ट गुण, परमेश्वर के विशिष्ट गुण, कभी नहीं चुक सकते हैं, यदि यह चूक जाते हैं, तब परमेश्वर चूक गया है। और बाइबिल ने इब्रानियों 13:8 में कहा, "यीशु मसीह, कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" इसीलिए वह न बदलने वाला परमेश्वर है। जो कुछ भी उसका आदि में गुण रहा है, वह अब भी उसी गुण के साथ है। जहां कहीं भी जो उसने कार्य किये, किसी भी समय में उसने जो कुछ भी किया, वो हर एक समय पर उसी तरह से करता है। यदि वो नहीं करता है, तो उसका गुण बदल चूका है, देखो, और उसका विशिष्ट गुण कुछ तो प्रदर्शित करेगा, जो परमेश्वर का नहीं था। समझे? तो, हम नहीं जानेंगे कहाँ...

97 जैसे पौलुस ने कहा, "यदि एक तुरही साफ आवाज़ को न दे, कौन अपने आप को युद्ध के लिए तैयार करेगा, यदि तुरही एक साफ आवाज़ को नहीं देती है?" अब यदि तुरही आवाज़ को देती है, "पीछे हटो" तब हमें उसी बात को करना है। अब तुरही आवाज़ को देती है "आगे बढ़ो" हमें उसी बात को करना चाहिए, हमें आगे बढना है। लेकिन तुरही क्या है? ये परमेश्वर का वचन है। यह परमेश्वर की पहचान देता है, चाहे—चाहे ये कहे, "ऊपर जाओ, बैठ जाओ, वापस जाओ, हथियारों को ढेर करो," ये जो कुछ भी हो, यह परमेश्वर के तुरही की आवाज़ है।

98 और एक अस्पष्ट आवाज़, जब बाइबिल कहती है एक फलां बात जिसे घटित होना है; कोई तो कहता है, "ओह यह तो किसी और दिन के लिए था।" तब वहां पर एक अस्पष्ट आवाज़ होती है। तब आप नहीं समझ पाते है कि क्या करना है।

99 यीशु ने कहा, "मेरे पास मेरे जीवन को लेने की सामर्थ है, और इसे फिर से जिलाने की सामर्थ है।" वहां पर कोई अस्पष्ट आवाज़ नहीं है।

100 स्त्री ने कहा, "हम जानते हैं कि मसीहा आएगा; और जब वह आएगा वह हमें उन बातों को बताएगा जैसे उसने किया।"

101 उसने कहा, "मैं वो हूँ।" इसमें कोई अस्पष्ट आवाज़ नहीं है। "मैं वो हूँ।" हूं–हूंह! आमीन।

उन्होंने कहा, "हमारे बाप दादाओ ने जंगल में मन्ना खाया।"

102 उसने कहा, "उनमें से हर एक जन मर गया।" उसने कहा, "लेकिन मैं जीवन की रोटी हूं, जो स्वर्ग से परमेश्वर से उतरी है।" कोई अस्पष्ट आवाज़ नहीं है। "मैं जीवन का पेड़ हूं, जो अदन के बगीचे से है।" नहीं, इसके बारे में कोई अस्पष्ट आवाज़ नहीं है। निश्चय ही नहीं। वो हर एक बात में स्पष्ट था, जो उसने किया

103 बाइबिल एक अस्पष्ट आवाज को नहीं देती है। यह उसकी आवाज़ में परमेश्वर के विशिष्ट गुणों की पहचान देती है।

104 यीशु ने संत यूहन्ना 10:37 में कहा, "यदि मैं मेरे पिता के कामों को नहीं करता हूं जो... और मेरे पास मेरे पिता के गुण नहीं है, तब तुम मुझ पर विश्वास नहीं करना। वे एक है, वे उसके गुणों की मुझ में पहचान देते हैं, जो उसके विशिष्ट गुण हैं।

105 क्योंकि, पिता वचन है, "आदि में वचन था, वचन परमेश्वर के साथ था और वचन परमेश्वर था," और उस युग के लिए, प्रतिज्ञा के द्वारा परमेश्वर के विशिष्ट गुणों को प्रदर्शित किया।

106 अब यदि वो मूसा के समय में रहा होता, ये तब काम नहीं करता। और यदि मूसा उसके समय में रहता तो ये तब काम नहीं करता। यदि वह नूह के समय में रहता तो ये तब काम नहीं करता, और यदि नुह उसके समय में रहता था तो। नुह उस दिन के लिए उन बातों की भविष्यवाणी कर रहा था, और उसके विशिष्ट गुण और जो उसने किया, वो परमेश्वर के वचन के साथ पहचाना गया। और मूसा ने उसी बात को किया।

107 और यहां यीशु आता है, और उस युग का प्रतिज्ञा किया हुआ वचन, परमेश्वर के विशिष्ट गुण के द्वारा यीशु मसीह में पहचाना गया, जो कि परमेश्वर है। आमीन।

108 और अंतिम दिनों में पवित्र आत्मा का उंडेला जाना, उन साधारण लोगों के ऊपर, जो लोगों के साथ परमेश्वर के विशिष्ट गुणों की पहचान दे चुका है। उसने इसकी प्रतिज्ञा की है। यह वचन है। उसने कहा वो इसे करेगा। कोई भी इसे वापस नहीं ले सकता है। उसने कहा वो इसे करेगा।

109 इसलिए यह सारी बातें जिसकी उसने प्रतिज्ञा की है, यही है जो वो करता है। यह उसके विशिष्ट गुणों की पहचान देता है। जी हां, श्रीमान। "इसे विश्वास मत करना, मेरे दावों पर विश्वास मत करना, यदि मेरे विशिष्ट गुण परमेश्वर से नहीं है तो।"

110 अब, ध्यान देना, यूहन्ना 14:12, "वो जो मुझ पर विश्वास करता है," उसने कहा, "यह मेरी पहचान है, मेरे विशिष्ट गुण हैं। वो जो मुझ पर विश्वास करता है, वह कार्य जो मैं करता हूं, वह भी करेगा।" यही पहचान देता है मसीह के गुण उस में है, जो उसके विशिष्ट गुणों को प्रदर्शित कर रहा है। आमीन।

111 मैं ठीक अभी बहुत ही धार्मिक महसूस कर रहा हूं, यदि मेरा गला भर आया है। हां श्रीमान। ओह, प्रभु! देखो, इसके बारे में वहां पर कोई भी गलती नहीं है! जो उसका जीवन है! "वो जो मुझ पर विश्वास करता है, वो काम जो मैं करता हूं, वह भी करेगा।" देखो, यह विशिष्ट गुणों की पहचान देता है।

112 उसने उसी बात को कहा, "यदि मेरे गुण मेरी खुद की पहचान नहीं देते हैं, कि परमेश्वर उस में—में है, तब वो (he) उस पर विश्वास मत करना।" अब उसने यह भी कहा कि वह उसमें पहचाना जायेगा। तब, यह, यदि ये उसकी पहचान नहीं देते हैं, तब ये वो नहीं है, जो वह कहता है।

113 और, आज यदि मसीह अपनी खुद की पहचान नहीं देता है, मसीह के विशिष्ट गुण हमें पहचान देते हैं, मसीह होने की नाई, वचन पर विश्वास करते हुए... यीशु वो वचन था, इसलिए उसे वचन पर विश्वास करना था। और हम कैसे कह सकते हैं कि हम मसीह के हैं और उस बाइबल के कोई वचन का इनकार करे? मसीह का पवित्र आत्मा वो परमेश्वर तुम में है, और यह हर एक प्रतिज्ञा को एक "आमीन" के साथ विराम चिन्ह को लगाएगा। बाइबल ने कहा, "यह चिन्ह उसके पीछे जायेगे, जो विश्वास करते हैं।" परमेश्वर का आत्मा ने कहा, "आमीन।" देखा?

114 उनमें से एक यह नहीं कहता है, "नहीं, यह किसी और युग के लिए है; यह केवल चेलो के लिए ही था।"

115 "जाओ, तुम सारे संसार में जाकर हर एक सृष्टी को सुसमाचार प्रचार करो। वो, हर कहीं सारे संसार में, जो विश्वास करता है, ये चिन्ह उसके पीछे जायेंगे, वही चीज।" "कल, आज और युगानुयुग एक सा है," विशिष्ट गुण पहचाने गए हैं।

116 यही इब्रानियों 1:1 बनाता है, "नबियों के द्वारा पिताओं से विभिन्न समय में बातें कर रहा है," मसीह की पहचान दे रहा है, जो आज उन्हीं

विशिष्ट गुणों के द्वारा पुनरुत्थीत हुआ है, जो उसके विभिन्न समय में किया। क्या आपने ध्यान दिया? परमेश्वर उसके तरीको को कभी नहीं बदलता है।

117 बाइबल के पूराने समय में, जब एक स्वपन देखने वाला, एक स्वप्न को देखता है, और उस देश में ये देखने लिए कोई नबी नहीं था कि सपना सही है या गलत है, उनके पास इसे जांचने का दूसरा तरीका था। वे उस व्यक्ति को लेते, जिसने कभी स्वपन को देखा है, उसे उस मंदिर में ले जाते है। हारुन का छातीबंद था, जो महायाजक था, उस कार्यपद पर था। और वो स्वपन देखने वाला, इस सपने को बताता था। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कितना अच्छा दिखाई देता है, यह कितना सच्चा दिखाई देता है; यदि वहां पर अलौकिक उजाला उन पत्थरों पर नही चमकता था, जिसे ऊरीम–थुरीम कहते थे (बाइबल अध्यन करने वाले इसे समझते हैं); तब मैं परवाह नहीं करता, यह कितना सच्चा दिखाई देता हो, यह ऐसा नहीं था। परमेश्वर की असाधारणता, परमेश्वर का गुण, उसके विशिष्ट गुणों को अलौकिक में प्रदर्शित करना था, यह दिखाने के लिए कि उसने संदेश पर खुद की पहचान को दी है। आमीन।

118 मैं आज रात उसी बात को कहता हूं। वह पुराना ऊरीम–थुरीम चला गया है, लेकिन वो वचन अब भी वही बात है, जो परमेश्वर के विशिष्ट गुणों की पहचान देता है, उस घड़ी की प्रतिज्ञा जिसमें हम रह रहे हैं।

119 यही परमेश्वर को एक सा बनाता है, जैसे वह था। "विभिन्न समयों में" देखो, "भिन्न–भिन्न तरीको से नबियों के द्वारा बाप–दादाओ से उसने बातें की।" "और नियम और वे नबी यूहन्ना के आने तक ही रहे; उसके बाद से लेकर परमेश्वर का राज्य है।" ध्यान देना, "लेकिन इस अंतिम दिनों में," उसी बात को बोल रहा है, जो उसने तब कही थी, "उसके पुत्र यीशु मसीह में से होते हुए।" "परमेश्वर विभिन्न समयों में, भिन्न–भिन्न तरीको से नबियों के द्वारा बाप–दादाओ से उसने बातें की, इस अंतिम दिन में," उसी बात को कर रहा है, "लोगों से बातें कर रहा है (बाप–दादाओ से) उसके पुत्र यीशु मसीह के जरिये से।" उसे मुर्दों में से जिलाया, और वह हममें जीवित रहता है, अपनी पहचान दे रहा है, और हमें होने वाली बातों को बता रहा है, जो हृदय की भावनाओ और विचारो को जांचता है। यीशु मसीह कल, आज और युगनुयुग एक सा है। "परमेश्वर विभिन्न समयों में, भिन्न–भिन्न तरीको से नबियों के द्वारा बाप–दादाओ से उसने बातें की, लेकिन इस अंतिम दिन

में उसके पुत्र यीशु मसीह के जरिए से करता है।" वचनों को छेड़छाड़ नहीं किया जा सकता है। यह बिल्कुल उसी तरह ही है।

120 जैसे मैंने इससे पहले कहा था, परमेश्वर को इस वचन का अनुवाद करने के लिए किसी की आवश्यकता नहीं है। वह अपने वचन का खुद अनुवादक है। जब वो कुछ भी कहता है, यह घटित होता है, यही अनुवाद है। समझे? उसे किसी के भी कहने की आवश्यकता नहीं है, "तो ठीक है, मैं सोचता हूं इसका मतलब *यह* है।" परमेश्वर उसके खुद के अनुवाद के द्वारा इसकी पहचान देता है, उसके।

121 यदि प्रतिज्ञा उस दिन के लिए की गई है तो! हम लूथर के—के—के उजियाले में नहीं जी सकते हैं। हम वेसली के उजाले में नहीं जी सकते हैं। हम उनमें से किसी के उजाले में नहीं जी सकते हैं। हमें उस उजियाले में जीना होगा जो इस दिन के लिए प्रतिज्ञा है।

122 क्या हो यदि मूसा मिस्त्र में जाकर और कहा होता, "तो ठीक है, हम एक बड़े जहाज को बनायेगे। हम इस देश को बहा देंगे, वह नील नदी ऊपर आ जायेगी? " वे उस पत्री की ओर फिर से देखते; वहां पर इसके लिए कोई प्रतिज्ञा नहीं है। यह सही बात है। लेकिन आप देखना, उसने परमेश्वर के नबी की नाई खुद की पहचान दी, क्योंकि जो कुछ भी उसने कहा वह पूरा हुआ था, तब उन्होंने जान लिया उसके पास प्रभु का वचन था। फिरौन के पास बरछी–भाले थे, लेकिन मूसा के पास वचन था। तो जब वे समुंद्र में चले गए, वे सारे बरछी–भाले समुंद्र के नीचे चले गए; और मूसा इसराइल को समुंद्र के उस पार सुखी भूमि पर ले गया, क्योंकि उसके पास वचन था और वो उस घड़ी का वचन था। मूसा उस घड़ी के लिए प्रकट वचन था।

एल्लियाह उस घड़ी के लिए प्रकट वचन था।

123 मसीह प्रकट हुआ वचन था, और वो प्रतिज्ञाये उसने की थी। "थोडी देर रह गया है, और संसार मुझे और ना देखेगा; लेकिन तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक तुम में संसार के अनंत तक रहूंगा। और जो काम मैं करता हूं, तुम भी करोगे।" उसने इन बातों की प्रतिज्ञा की है। यह क्या है? यह परमेश्वर के विशिष्ट गुण हैं जो उसके वचन को प्रदर्शित कर रहा था, जैसे उसने हर एक युग में किया है।

124 मलाकी 4 उसने कहा, "प्रभु के बड़े और भयानक दिन के आने से पहले, देखो, मैं तुम्हारे पास एल्लियाह नबी को भेजूंगा; और वह पुत्रों के विश्वास को पिता की ओर फेरेगा, उस दिन के आने से पहले।" उसने इसकी प्रतिज्ञा की है।

125 यीशु ने संत लुका के 17 वे अध्याय में कहा, "जैसे सदोम के दिनों में हुआ था, वैसे ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा, जब मनुष्य का पुत्र प्रकट हुआ है।" जब प्रकाशन अपने आप में खुल रहा है, उन दिनों में जब संसार सदोम के जैसा हो जाएगा, तब यह कैसा होगा? उस वचन के विशिष्ट गुण पूरे हुए हैं। परमेश्वर उसके विशिष्ट गुणों के द्वारा अपनी पहचान दे रहा है, विशिष्ट गुण जो उसके हमेशा ही रहे हैं। वह इसे नहीं छोड़ सकता है।

126 अंतिम दिनों में, वो उसके पुत्र के जरिए से पहचान देता है। ध्यान देना, कैसे परमेश्वर हमेशा ही ऐसा करता है वो—वो... वह उसके तरीके को कभी नहीं बदलता है।

127 ये तीन व्यक्ति, जिन्होंने अब्राहम से बात की, जैसे हम वहां बस बातें कर रहे है, उन सदोम के दिनों में।

128 अब्राहम एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर पर विश्वास किया। उसने परमेश्वर को उसकी प्रतिज्ञाओं पर लिया। साराह उसकी पत्नी जो पेसठ वर्ष की थी, अब्राहम पच्चतर वर्ष का था, जब परमेश्वर ने उसे बुलाया। उसने कहा उन्हें एक—एक पुत्र होने जा रहा था। अब्राहम को सारा के जरिए से एक पुत्र होगा। यह शायद थोड़ा सा हास्यास्पद सा दिखाई देता है, लेकिन मैं कल्पना करता हूं, उसने वो—वो सारी छोटी–छोटी जूतियों और बुनाई इत्यादि को तैयार करती होगी, क्योंकि उनके पास यह बालक होने जा रहा था।

129 पहले अठाईस दिनों के बाद, किस कारण से, अब्राहम ने शायद सारा से पूछा होगा, "तुम कैसा महसूस करती हो, प्रिय? "

उसने कहा, "कोई फर्क नहीं।"

"प्रभु की महिमा हो, कुछ भी हो, हमारे पास ये होगा।"

"तुम कैसे जानते हो।"

"परमेश्वर ने इसे कहा है।"

एक वर्ष बीत गया। "तुम कैसा महसूस करती हो, प्रिय? "

"कोई फर्क नहीं है।"

"कुछ भी हो, हमारे पास ये होगा। परमेश्वर ने इसे कहा है।"

पांच वर्ष बीत गये। "तुम कैसा महसूस करती हो, प्रिय? "

"कोई फर्क नहीं।"

"कुछ भी हो, हमारे पास ये होगा। परमेश्वर ने इसे कहा है।"

130 यह क्या था? उसके पास परमेश्वर की प्रतिज्ञा थी। उसने परमेश्वर पर विश्वास किया, और उसने परमेश्वर की तरह व्यवहार किया: वह प्रतिज्ञा वचन के निमित्त बना रहा।

131 पच्चीस वर्ष बीत गये। जूतियां पीले रंग में बदल गयी, लेकिन वह सारा उन्हें पकडे हुई थी। अब वह बूढ़ा हो गया और झुक गया था, और वह एक भयानक आकार में था; और सारा का गर्भ लगभग मर गया था और वो जीवाणुहीन हो गया था। वे क्या ही अवस्था में थे!

132 उसके नामधारी विश्वासी मित्रों ने उस से कहा होगा, "मेरे अब्राहम तुम कैसा महसूस करते हो, राष्ट्रों के पिता? "

133 "अच्छा, प्रभु की महिमा हो, मैं अच्छा महसूस करता हूं। कुछ भी हो, हमें वो बालक होने जा रहा है।" क्योंकि वो अविश्वास में से होते हुए परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर नहीं लड़खड़ाया था; लेकिन मजबूत होता गया, परमेश्वर को स्तुती देते हुए, क्योंकि वह पूरी तरह से मानता था कि जो परमेश्वर ने कहा है, परमेश्वर इसे करने में सक्षम है। आमीन। वहां पर एक विश्वासी के विशिष्ट गुण हैं।

134 आपके बारे में क्या है? देखा? हमारे बारे में क्या है, जो अब्राहम की संतान है? क्या हम एक प्रतिज्ञा की नाई परमेश्वर के वचन के साथ पहचाने गए हैं और हमारे विशिष्ट गुण हमारी खुद की पहचान देते हैं कि असल में हम इसे विश्वास करते हैं? या क्या आप ऐसे ही हाँ या ना करते हैं, *यहां* से कूदते हैं, *वहां* पर जाते है, *उधर* जाते है और सोचते रहते हैं, और ऐसे ही हाँ या ना करते हुए, इसके बारे में इधर–उधर की सोचते है? तब हम मसीह है ही नहीं, हम विश्वास करने का ढोंग कर रहे हैं ।

135 लेकिन, जब हम उस प्रतिज्ञा पर सचमुच खड़े रहते हैं, ठीक वहां पर बने रहते हैं! जैसे अब्राहम ने किया।

136 अब हम देखते हैं, उसने तीन मनुष्यों को उसकी ओर चल कर आते हुए देखा, बाइबिल यहा कहता है, "ये दिन की गर्मी का समय था," यह जरूर दोपहर का समय रहा होगा, वो मनुष्य चलकर आया और उस से बात कर रहा था। हम समझते हैं कि उनमें से दो जन सदोम के अंदर चले गए थे। मैं सोचता हूं कि हमने इस पर एक रात को बताया था। उनमें से एक उसके साथ रुका था।

137 इस मनुष्य की ओर देखना... जिसे उसने बुलाया जो उसके रुका था, उस मनुष्य ने जो किया। एक उसके विशिष्ट गुणों के द्वारा पहचाना गया था, कि वो एलोहीम था।

138 एलोहीम, बाइबिल का वही पहला शब्द था, "आदि में परमेश्वर था... " अब आप में से कोई भी बाइबिल शिक्षक जानते होंगे कि वो उस शब्द *परमेश्वर* का मतलब इब्रानियों में "एलोहीम" होता है, जिसका मतलब होता "वो सर्वशक्तिमान पूर्व रूप से, स्वयं अस्तित्व में रहने वाला," जिसे किसी की भी सहायता की कोई आवश्यकता नहीं होती है, किसी के भी अनुवाद की आवश्यकता नहीं है; वो अपना अनुवाद स्वयं करता है, वह पूर्व रूप से परमेश्वर है, सर्वव्यापी, सर्वज्ञानी, सर्वसामर्थी है। वो परमेश्वर है।

139 वो वहां पर था। और अब्राहम अब, वो धर्म प्रधान जिसने उस वचन को थामा था, इस मनुष्य की ओर देखा। और जब उस व्यक्ति ने अपनी पीठ को उस तंबू से मोड़ दिया था, उसने कहा, "तेरी पत्नी सारा कहां है? "

कहा, "वह आपके पीछे तंबू में हैं।"

140 कहा, "मैं तुमसे जीवन के समय के अनुसार मुलाकात करुंगा, और तुम्हारे पास यह बालक होगा, जिसकी मैंने तुम्हें प्रतिज्ञा की है।"

141 और सारा इस पर हंसी। और वो एक जो उससे बातें कर रहा था, उससे बताया कि सारा ने तंबू में क्या कहा, जो उसके पीछे तम्बू में थी।

142 अब उत्पत्ति में आप इसे पढ़ना। तब हम पाते है अब्राहम, इस मनुष्य के, अपनी खुद की पहचान देने के बाद...

143 यह क्या था? इब्रानियों 4 अध्याय 12 में कहता है, "परमेश्वर का वचन दोधारी तलवार से चोखा है, जो विचारो को जांचने वाला है और हृदय की भावनाओ को परखता है।"

144 वह जानता था कि यही वो मनुष्य था। वह जानता था, वहां उस देश में उसे छोड़ कोई भी नबी नहीं है, और इसीलिए प्रभु का वचन उसके पास आया था। और वो नबी था, और यहां वचन नबी के पास आता है।

145 वही बात यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के साथ थी। वहां पर चार सौ वर्षो से लेकर कोई नबी नहीं रहा था। मुझे याद है...

146 हो सकता है वे बूढे डॉक्टर डेवीड आज यहाँ रात बैठे हो, जो पुराने मशीनरी बैप्टिस्ट प्रचारक है, जिन्होंने मुझे विश्वास में बपतिस्मा दिया था। वे हमेशा ही मुझसे वाद–विवाद किया करते थे। उन्होंने कहा, "बिली तुम बस एक छोटे से बच्चे ही हो, तुम्हें मुझसे सुनना चाहिए।"

मैंने कहा, "तो अच्छी बात है भाई डेवीड, मैं सुन रहा हूं।"

147 उसने कहा, "तुम देखो कि यूहन्ना ने बपतिस्मा नहीं लिया था। तो वो बप्तिस्मा दे रहा था; लेकिन उसने बपतिस्मा नहीं लिया था; कोई भी उसे बपतिस्मा देने के योग्य नहीं था।" यह बहुत ही अच्छी बैप्टिस्ट की शिक्षा है। "और यहां पर यीशु आता है और तब उसने कहा... यूहन्ना ने कहा, 'मुझे तुझ से बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है, तू मेरे पास क्यों आया हैं?' और उसने कहा, 'अब तो इसे ऐसा ही होने दे,'" डॉक्टर डेविड ने कहा, "और फिर जब उसने वैसा ही किया," कहा, "तुम देखना यीशु ने यूहन्ना को बपतिस्मा दिया। और जब वह पानी से बाहर आया तब आकाश खुल गया और उसने परमेश्वर को एक पिंडुक की नाई नीचे उतरते देखा और उस पर जाते हुए देखा, कहा, 'यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिसके अंदर मैं रहने से अति प्रसन्न हूं।'" लेकिन, नहीं, मैं डॉक्टर डेवीड के साथ असहमत नहीं हो रहा हूं, लेकिन वे गलत थे।

148 देखो, यूहन्ना नबी था और वचन हमेशा ही नबी के पास आता है। इसलिए यदि वचन देहधारी हुआ था, कुछ भी हो, इसे नबी के पास आना था क्योंकि वह वचन के लिए बता रहा था, और उसके उसी विशिष्ट गुण ने उसकी पहचान दी थी। यहां पर वचन आता है, अब क्या घटित हुआ था? जैसे ही वो यीशु के सामने चलकर आया, यूहन्ना ने कहा, "मुझे तुझ से बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है; तू मेरे पास क्यों आया है? "

149 यीशु ने कहा, "अब तो इसे ऐसा ही होने दे (हमारी योग्यता) ऐसा करने से सारी धार्मिकता को पूरा करते है।" यूहन्ना नबी होने के नाते; वो वचन होने के नाते। वो बलिदान था, और वह उसकी धरती की सेवकाई

के लिए प्रवेश करने को तैयार था, और बलिदान चढ़ाने से पहले उसे धोया जाना था, इससे पहले उसे चढाये। और यूहन्ना ने उसे बपतिस्मा दिया, क्योंकि वह जान गया था, "अब तो इसे ऐसा ही होना है क्योंकि यह हमारे लिए इसी तरह से होना है कि सारी धार्मिकता को पूरा करें।" बलिदान चढ़ाने से पहले उसे धोया जाना था, इससे पहले उसे चढाये। और इसलिए यूहन्ना ने उसे बपतिस्मा दिया। यह ऐसा नहीं था कि यीशु ने यूहन्ना को बपतिस्मा दिया। यूहन्ना ने यीशु को बप्तिस्मा दिया था। अब इसे ऐसा ही होना था ।

150 ध्यान देना, यहां अब्राहम था और उसके पास प्रभु का वचन था। प्रभु का वचन उसके पास आया था। वो नबी था। और अब यहां वचन आता है। उसने उसे बुलाया, "अब्राहम" ना की *अब्राम*।

151 कुछ दिनों पहले, उसका नाम *अब्राम* था—*अब्राम* था, अब यह अब्राहम हो गया था। उसकी पत्नी का नाम सारे था, अब "साराह" हो गया था ना ही S–a–r–r–a; S–a–r–a–h। ना ही A–b–r–a–m, अब्राम; A–b–r–a–h–a–m, अब्राहम।

152 और इस मनुष्य ने खुद की पहचान दी, जब उसने कहा, "अब्राहम!" ओह, प्रभु!

अब्राहम ने कहा, "एलोहीम!"

153 वहां पर वचन और नबी एक साथ हैं, दोनों गुणों ने पहचान दी थी।

154 एलोहीम, उसने कहा, "तेरी पत्नी साराह कहां पर है? "

155 कहा, "वो आपके पीछे तंबू में है।" और... तब चमत्कार हुआ था। एलोहीम! अब्राहम ने उसे बुलाया, सर्व रूप से, सर्वसामर्थी परमेश्वर।

156 यीशु ने कहा। जब वह धरती पर था, उसने उन्हीं कामों को किया जो एलोहीम ने किये थे। जिसने एक परमेश्वर होने के नाते उसके विशिष्ट गुणों की पहचान दी।

157 और उसने पहले कहा था, "अंतिम दिनों में, मनुष्य के पुत्र के आने पर, जब वह प्रकट होता है, यह बात फिर से जगह लेगी, जैसे यह सदोम पर हुआ था।" एलोहीम उसके लोगों के बीच में है, वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर! यही वचन कहता है। एलोहीम उसके लोगों के बीच में है!

158 क्योंकि चालीस वर्षों से वो हमें पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दे रहा है, एलोहीम, परमेश्वर! और वो कलीसिया...

159 देखो, अब्राहम ने एक चिन्ह को देखा था, एक और बुलावट; एक चिन्ह, एक बुलावट; एक बुलावट, एक चिन्ह, जो उस प्रतिज्ञा किये हुए पुत्र के लिए रुका हुई था। लेकिन वो अंतिम चिन्ह जिसे उसने देखा, उसकी अंतिम उपस्थिती, परमेश्वर का अंतिम बार भेंट करना, इससे पहले वो प्रतिज्ञा किया हुआ पुत्र दृश्य पर आये, जो मानवीय देह में एलोहीम था। तब वो प्रतिज्ञा किया पुत्र आ गया।

160 और अब्राहम का बीज प्रतिज्ञा किए हुए पुत्र के लिए रुका हुआ है, जो यीशु मसीह है। और उन्होंने चिन्हो को देखा है, पवित्र आत्मा का उंडेला जाना, अन्य भाषा में बोलना, दैविक चंगाई और इत्यादि। लेकिन जब मनुष्य का पुत्र प्रकट हुआ था, एलोहीम अब्राहम के शाही वंश के पास वापस लौट आएगा और वह उन्हीं बातों को दिखाएगा, जिसे उसने उस दिन में दिखाई थी, आमीन, एलोहीम, जैसे वो था! क्यों? यह परमेश्वर के विशिष्ट गुण होंगे।

161 अब यदि मसीह परमेश्वर था, "थोड़ी देर रह गई है और ये संसार मुझे ना देखेगा, लेकिन तुम मुझे देखोगे क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक जगत के अंत तक तुम्हारे अंदर रहूंगा, जो काम मैं करता हूं, तुम भी करोगे।"

162 यीशु ने लुका 17 वे अध्याय में—में कहा। तो ठीक है, जब हम विश्वास करते हैं और इन अंतिम दिनों में देखते हैं, इस समयोजन को फिर से प्रतिक्रिया में आना है।

163 इसीलिए, इब्रानियों 1:1 में, "परमेश्वर ने विभिन्न समय पर, नबियों के द्वारा अपनी पहचान दी, इन अंतिम दिनों में, उसके पुत्र के मरे हुए में से पुनरुत्थान के द्वारा पहचान दी है," कलीसिया को उसी विशिष्ट गुण देने के द्वारा जो उसके पास थे, जो इब्रानियों 13:8 को बिल्कुल सही रिति से बना रहा है।

164 कोई भी पंख को इसमें से खींच कर नहीं निकाल सकते है। यह उकाब के पंख है। वे मजबूत बने रहते हैं, क्योंकि वे स्वर्ग के पक्षी है। [टेप पर रिक्त स्थान—सम्पा।] वे उन्हें उकाब का भोजन खिलाते हैं।

165 अब हम ध्यान देते हैं, "परमेश्वर ने विभिन्न समय पर, भिन्न–भिन्न तरीको से उसने नबियों के द्वारा बातें की, इन अंतिम दिनों में, उसके पुत्र यीशु मसीह के जरिये से उसके मरे हुए में से जी उठने के द्वारा।" और वो यहां हमारे बीच में दो हज़ार वर्षों के बाद है, वही यीशु, ना ही उन नबियो में से एक; यीशु, हाल्लेलुय्या, जो परमेश्वर का पुनरुत्थीत पुत्र है!

166 यीशु ने एक दिन कहा, उसने कहा, "एक दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी एक चिन्ह के लिए देखेगी और उन्हें एक चिन्ह दिया जाएगा।" एक दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी। संसार कब इतना ज्यादा एक दुष्ट और व्यभिचारी और दूषित हुआ है, इसकी तुलना में वो अब है?

167 "जैसे यह योना के दिनों में था, जब योना तीन दिन और रात तक उस व्हेल मछली के पेट में था, वैसे ही मनुष्य के पुत्र को तीन दिन और रात तक धरती के हृदय में होना ही होगा।"

168 तब "एक दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी" को एक चिन्ह मिलना था। किस प्रकार का एक चिन्ह? एक पुनरुत्थान का चिन्ह। और यह चिन्ह आज हमारे पास है, दो हज़ार वर्षों के बाद, वह अब भी जीवित है। वह आज रात हमारे बीच में है, वह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है, जो परमेश्वर के विशिष्ट गुणों के द्वारा अपनी पहचान दे रहा है, इस दिन में वचन को प्रमाणित कर रहा है, जिसकी उसने करने की प्रतिज्ञा की थी। आमीन।

169 वहां पर वचन है। अब क्या आप चिन्ह पर विश्वास करेंगे, अंतिम दिनों में जो अगली चीज है, उसके पुत्र के द्वारा उसकी पहचान देना। ध्यान देना।

170 परमेश्वर ने विभिन्न समय पर मूसा से बात की थी। व्यवस्थाविवरण 18:15 कहता है, "प्रभु तुम्हारा परमेश्वर मेरे समान एक नबी को खड़ा करेगा।" अब ध्यान देना। यही वो वचन है। यह वो परमेश्वर है। यह वो वचन था। यह मूसा नहीं था। मूसा ने इसे कैसे जाना; वह तो एक मनुष्य था? लेकिन ये परमेश्वर मूसा के जरिए से बात कर रहा था, इसे बताया। क्या आप इसे विश्वास करते हैं? तो ठीक है।

171 अब ध्यान दें, यीशु, देखो कैसे उसके—उसके विशिष्ट गुणों ने इन प्रतिज्ञा किए वचन के सच्चे होने की पहचान दी। निश्चय ही उसने किया था। वह इस विशिष्ट गुणों के द्वारा पहचाना गया था, जिसे मूसा ने बताया था कि वह करेगा।

172 उनमें से बहुत, जैसे कि आज, वे कुछ बडे अगुवाई करने वाले लोगो को देखना चाहते हैं। "ओह, वो डॉक्टर पी एच है। *फलां–और फलां* है। वह हॉटफोर्ड यूनिवर्सिटी से आया है, या, वह इसी तरह की किसी बडे, कहीं से तो बाहर निकला है।" वहां पर कोई भी परमेश्वर की पहचान नहीं है। नहीं, नहीं इसके बारे में एक बात भी नहीं है। वचन ही है, जो परमेश्वर की पहचान देता है। समझे?

173 यीशु पढ़ा लिखा नहीं था, ना ही वह एक याजक था, ना ही वह संसार के लिए एक रब्बी था। वह संसार के लिए एक स्वधर्म का त्यागी था।

174 लेकिन परमेश्वर उसके जरिए से उसके वचन को साबित कर रहा था, जिसने उसे इमनुअल बना दिया। जो उसकी पहचान थी। अब यहां पर यीशु बिल्कुल उसी बात से मिल रहा है, जो परमेश्वर ने विभिन्न समय में, मूसा के जरिये से कहा, जो वो करेगा।

175 अब ध्यान देना जब उसने पतरस से मुलाकात की, जैसे हमने एक रात को इसका नाटकीय रूप में करके बताया था, जब उसने पतरस से मुलाकात की और पतरस को बताया कि उसका नाम क्या था। इस चिन्ह ने पतरस के लिए उसके मसीहत के दावे की पहचान दी, क्योंकि वचन ने कहा था, "प्रभु तुम्हारा परमेश्वर एक नबी को खड़ा करेगा।"

176 और पतरस आ गया, जो तब शिमोन का पुत्र था, वहां पर आ गया जहां पर वह था। और यीशु ने उसकी और देखा और कहा, "तुम्हारा नाम शिमोन है, और तुम योना के पुत्र हो।" मसीह के गुण को वचन होने की पहचान को देते है, जिसकी मूसा ने प्रतिज्ञा की थी। पतरस ने जान लिया कि उस चिन्ह ने यीशु के मसीह की नाई पहचान दी। "परमेश्वर मसीह में था," जो अंतिम दिनों के लिए अभिषेक है। नतनएल के लिए... याद रखना, उसने शिमोन को उसका नाम बताया।

177 अब देखो, नतनएल को उसने बताया कि उसने क्या किया था। "जब तुम उस पेड़ के नीचे थे, मैंने तुम्हें देखा था।" जिसने उसके मसीह होने की पहचान दी।

178 कहा, "तू परमेश्वर का पुत्र है। तू इस्राएल का राजा है।" वह प्रतिज्ञा किये हुए वचन के विशिष्ट गुणों के द्वारा पहचाना गया था, जिसे वो मसीहा होना था। "प्रभु तुम्हारा परमेश्वर एक नबी को खड़ा करेगा।"

179 वह छोटी स्त्री जो कुए पर थी, उसने उसे बताया कि वह कौन थी, और जिसने उसकी इस प्रतिज्ञा किए हुए मसीहा की नाई पहचान दी। देखा?

180 उसका गुण, उसके विशिष्ट गुण, जो पहचान हुए वचन थे, जो उसके विशिष्ट गुणों को दिखा रहे थे कि वो वचन परमेश्वर था, इसलिए यह परमेश्वर था जिसने मसीह में होने की पहचान दी थी। अब इसे देखना। ध्यान दे।

181 पतरस के लिए, वो उसके नाम को पुकारने के द्वारा पहचाना गया था। वो नतनएल को यह बताने के द्वारा पहचान दी थी कि उसने क्या किया है। उसने उस स्त्री को यह बताने के द्वारा पहचाना गया था कि वो क्या थी। वह क्या... *वह* कौन था; *उसने* क्या किया है; और *वह* क्या थी। वो उसके मसीहत के विशिष्ट गुणों के द्वारा पहचाना गया था, जो मसीहा के विशिष्ट गुण होने थे।

182 उस छोटी स्त्री की और देखें, वो उसी बात को कहती है, "श्रीमान मैं यह मान लेती हूं कि तू एक नबी है। हमारे पास सैकड़ों वर्षो से कोई नबी नहीं हुआ था। हमारे पास बहुत सारी कलीसियाये हुई थी, बहुत सारे वाद–विवाद और संस्थाओ की विभिन्नताये हैं, लेकिन हमारे पास सैकड़ों वर्षो से एक नबी नहीं हुआ था। हम यह जानते हैं कि जब मसीह आएगा, यही है जो उसकी पहचान को देगा।"

183 उसने कहा, "मैं वो हूं, जो तुझसे बोल रहा है।" इसके बारे में कोई भी अस्पष्ट आवाज़ नहीं है। "मैं वो हूं।" जिसने उसकी पहचान दी।

184 वह स्त्री जो लहू की बीमारी के साथ थी, उसके वचन होने की पहचान दी। कैसे? जो उसने किया था जब उसके विश्वास ने उसे छुआ था। उसने पीछे मुड़कर और कहा, "किसने मुझे छुआ? " वह जान गया कि कुछ तो हुआ है। जिसने मसीहा की नाई यीशु की पहचान दी।

185 स्त्री ने इसका विश्वास किया और कहा, "यदि मैं उसके वस्त्रों को छु सकती हूं, मैं चंगी हो जाऊंगी।"

186 इसलिए जैसे ही उसने वस्त्र को छुआ, उसने मुड़कर और कहा, "अब किसने मुझे छुआ है? " और सब लोगों ने इसका इंकार किया। लेकिन उसकी मसिहत के विशिष्ट गुण...

187 अमीन! मैं आशा करता हूं आप श्रोतागण इसे देखते हैं। सुनना, जब हम बंद कर रहे हैं।

188 वहां पर स्त्री ने उसे छुआ। वहां पर सैकड़ों लोग थे, हो सकता है, जो उसे छूने की कोशिश कर रहे हो। यहाँ तक पतरस ने उसे झिड़का, कहा, "ठीक है, उनमें से हर कोई तुझे छू रहा है।"

189 उसने कहा, "हां, लेकिन किसी ने मुझे अलग ही तरीके से छुआ है।" यही वो अलग बात है, जो विश्वास का छुना है। समझे? कहा, "किसी ने मुझे छुआ है, यह अलग ही छुना है। मैं कमजोर हुआ हूं। मुझमें से सामर्थ निकली है। मुझ में से सदगुण निकली हैं।" अब, वहां पर वह खड़ा हुआ है।

190 अब, यहां तक उसके अपने चेलो ने कहा, दूसरे शब्दों में, "तू ऐसे बात—बात कर रहा है, जैसे तू कुछ अलग अपराधी व्यक्ति थे। इसलिए, लोग, हर कोई तुझे छू रहा है।"

191 अब उसे देखना, अब उसकी पहचान को देखना। उसने पीछे मुड़कर भीड़ में से होते हुए देखा। वो उससे ठीक एक तरफ बाहर निकल गयी। वो स्त्री अपने आपको और अधिक छिपा न सकी। उसने उसे उसकी परिस्थिति को बताया, और कहा, "उसके विश्वास ने उसे चंगा कर दिया है।" वह इसके द्वारा जान गई।

192 वहां इब्रानियों 14:12 में, "वचन मनों को जांचता है और ह्रदय को परखता है।" उसके विशिष्ट गुण ने उसकी ये होने की पहचान दी कि वो, "परमेश्वर का वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में रहा।" आमीन।

193 मैं सोचता हूं आज रात वही बात उसकी पहचान दे रही है, वो पुनरुत्थीत यीशु मसीह आज रात हमारे बीच में जीवित है, जो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। अब, जैसे इब्रानियों 13:8 सत्य है, उसका गुण आज उसकी पहचान को देगा, वैसे ही जैसे उसने तब दी थी।

194 पुनरुत्थान के बाद किलोपास और उनकी और देखना। यीशु ने अपनी पहचान दी, जिस तरीके से उसने रोटी को तोड़ा, जैसे उसने उसके क्रूस पर जाने से पहले उसी तरीके से किया था। और उन्होंने... इसने उसके विशिष्ट गुणों की पहचान दी क्योंकि इसी तरीके से उसने इसे किया था।

195 अब यदि वो आज रात यहां पर होता, तो वो कैसे अपनी पहचान को देता? बिल्कुल वैसे ही जैसे उसने बीते कल में किया था, क्योंकि वह आज भी वैसा ही है, और वो हमेशा ही रहेगा। यही वो पहचान है। इब्रानियों 4, चार... 14 और 15, "वो अभी है... " कहता है, "वह हमारा महायाजक है, जिसे हमारी निर्बलता के अनुभव के द्वारा छुआ जा सकता है।" वो ठीक

अभी हमारा महायाजक है। उसके पुनरुत्थान के बाद, उसकी मृत्यु के बाद, उसके दफनाए जाने के बाद, उसके पुनरुत्थान के बाद, उसके अधिरोहण के बाद, आमीन, वो अब भी कल, आज और युगानुयुग बना रहता है, एक महायाजक जिसे हमारी निर्बलता के अनुभव के द्वारा छुआ जा सकता है, आमीन। वही है वो, ठीक अभी हर एक पुरुष और स्त्री के लिए, जो यहां पर है जो इसे विश्वास करेंगे। वो हमारा महायाजक है, कल आज और युगानुयुग एक सा है।

196 वह हमेशा ही जीवित है। आप यह विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] उसके विशिष्ट गुण निरंतर उसकी पहचान देते है, जैसे कि वो था, जब वह धरती पर था। वो अभी यहां पर आज रात पवित्र आत्मा के रूप में जीवित है। वह हमेशा ही जीवित है। और उसके विशिष्ट गुण उसका अनुकरण करते हैं, बिल्कुल वैसे जैसे इसने हमेशा किया है, यदि वो अब भी जीवित है।

197 मैं आज रात आभारी हूं कि, "परमेश्वर, विभिन्न समयों में, भिन्न–भिन्न जरिए से नबियों के द्वारा पिताओं से बातें की, अंतिम दिनों में उसके पुत्र यीशु मसीह के जरिए से बातें करता है।"

198 ओह, मैं नहीं जानता, मैंने लम्बे समय तक बात किया है। मैं इसके बारे में भूल गया, इसे इस तरह से होना है। मुझे क्षमा करें। मैं बस... मैं बंद करूँगा।

आइए प्रार्थना करें।

199 स्वर्गीय पिता, महान दयालु परमेश्वर! प्रभु, मैं—मैं... हो सकता है मैंने बहुत ही ज्यादा बात की है। मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, यदि मैंने की है, आप मुझे क्षमा करेंगे। लेकिन, प्रभु, मैं उसके लिए क्षमा नहीं मांग सकता हूं, जो मैंने कहा है। मैंने बिल्कुल वही कहा है, जो आपने यहां बिल्कुल अपने वचन में कहा है।

200 अब कुछ दो या तीन शब्द आपसे प्रभु, हो सकता है, हर एक जन यहां आज रात इसे देखेंगे। वह कुछ बीमार लोग चंगे हो जाएंगे, जब वे देखेंगे कि आप अब भी हमारे महान महायाजक हैं। मैं प्रार्थना करता हूं, प्रभु अगले कुछ ही मिनटों में कि आप इस संदेश को फिर से वास्तविक बनाएंगे। जिसे मैंने वचन के द्वारा कहा है, होने पाये, आज रात आपका विशिष्ट गुण हमारे

बीच में आपकी पहचान को दे, कि आप कल, आज, और युगानुयुग एक सा है, क्योंकि इसे हम यीशु मसीह के नाम से मांगते हैं। आमीन।

201 अब कुछ ही क्षणों के लिए। हम, मैंने—मैंने थोड़ा देर कर दी है, लेकिन क्या आप प्रार्थना की पंक्ति के लिए थोड़ा सा धीरज धरेंगे, कुछ पंद्रह या बीस मिनट के लिए? यदि आप करेंगे, अपने हाथों को ऊपर करें और कहे, "हम... " तो ठीक हैं। धन्यवाद—आपका धन्यवाद मैं प्रतिज्ञा करता हूं, मैं आपको साढ़े नौ बजे तक छोड़ने का वादा करता हूँ। अब समय हुआ है; बीस मिनट बचे हुए हैं। इसलिए यदि आप मुझे लगभग दस मिनट देंगे, मैं इसे जल्दी ही करूंगा।

202 आइए देखेंगे, आज उन्होंने कौन से प्रार्थना के कार्ड दिए हैं? [एक भाई कहता है, "ओ (0)।"—सम्पा।] ओ? क्या, हमने उस रात को कहां से आरंभ किया था, एक, एक से? ["मैं सोचता हूं, ये एक से किया था।"] जी हां, हाँ–हाँ।

203 और फिर हमने पिछली रात्रि को, हम केवल... पवित्र आत्मा... मैं आज सुन रहा था, और उसे दोहरा रहा था जो कहा गया है। उनमें से कुछ फ्रेंच नाम है, मैं... पवित्र आत्मा; मैं केवल एक ही तरीके से इसे कर सकता हूं, केवल रुक कर और देखें।

204 देखो, जब आप एक दर्शन को देखते हैं, इसे वापस मुड़कर और अनुवाद होना है इसका तर्जुमा होना है। एक दर्शन, जैसे आप—आप एक भेड़ को देखते हैं, जिसका शायद मतलब हो ऊन। देखो, आपके पास करने के लिए इसका अनुवाद भी होना है, और दर्शन को घुमाकर और इसका अनुवाद करें।

205 और मैंने पिछली रात्रि को ध्यान दिया, मैं—मैं उन फ्रेंच नामों को सही उच्चारण नहीं कर पाया, मुझे इसको शब्द विन्यास करके बताना था।

206 अफ्रीका में और हर कही वे होटेटोंट और गैर इसाई इत्यादि, उन्हें उनका नाम ठीक तरह से लेने ले लिए शब्द विन्यास (अलग–अलग) करके बोलना होता है, उन्हें बताना होता है कि वह कौन थे, उनकी भाषा में शब्द विन्यास (अलग–अलग) करना होता है। जैसे ही आप उनका शब्द विन्यास (अलग–अलग) करते हैं, वे जान जाये कि यह क्या था। लेकिन, देखो, लेकिन वो सारी भाषाओं को जानता है। वो अनंत परमेश्वर है।

207 आईये आज रात हम वहां से आरंभ करेंगे, आइये देखेंगे, पचहतर से लेकर सौ तक ओ (श्रृंखला) में। ये ओ ही है जो भाई ने कहा था? मैं... [एक भाई कहता है, "हां। ओ।"—सम्पा।] ओ, ओ। जी हां। तो ठीक है। किसके पास पचहतर संख्या का प्रार्थना कार्ड है, आइये यह देखेंगे? ओ में, प्रार्थना कार्ड ओ, पचहतर, अपने हाथ को ऊपर उठाये, जिस के पास है। ओ (श्रृंखला)। तो ठीक है। ठीक *यहां* पर आ जाये। पचहतर, अस्सी, पच्चासी, नब्बे, पंचानबे, सौ, *इस* तरफ आ जाये, यदि आप चाहते हैं। तो ठीक है, यह ठीक यहां पर से कतार को लगाये, थोड़ा जल्दी करेंगे, क्योंकि हमारे पास समय नहीं है। मैं अब भरोसा करता हूं कि आप इसे जल्दी करेंगे।

208 अपने प्रार्थना कार्ड को देखें। अपने पास के व्यक्ति के प्रार्थना कार्ड को देखें। क्या... और यदि कोई अपहीज है, तो उन्हें ठीक यहां पर प्रार्थना के कतार पर लेकर आए। यदि उनके पास वह ओ कार्ड है, जैसे कि ओ, पचहतर...

209 पचहतर से लेकर सौ तक, ठीक *यहां* पर कतार को लगाये, यदि आप चाहते हैं। तो आप जहां कहीं भी हैं, बालकनी में, और जहाँ भी और भी है, ठीक यहाँ नीचे आ जाए और जितना हो जल्दी संभव हो सके कतार में आ जाए, यदि आप करेंगे, तो इससे समय बचता है।

210 अब यहां पर जो बाकी के लोग हैं, जिनके पास प्रार्थना का कार्ड नहीं है, क्या आप अपने हाथों को उठाकर और कहेंगे, "हमारे पास प्रार्थना का कार्ड नहीं है भाई ब्रन्हम, लेकिन मैं विश्वास करता हूं? " अपने हाथों को उठाये।

211 अब याद रखना, मैं आपसे महायाजक के बारे में बोलने जा रहा हूं। "वो एक महायाजक है, जिसे हमारी निर्बलताओ के अनुभव के द्वारा छुआ जा सकता है।" वह *यहोवा–यीरे* है। "वो प्रभु का प्रयोजन किया हुआ बलिदान है।" वह *यहोवा–राफा* है। "वह प्रभु जो तेरी सारी बीमारियों से चंगा करता है।" क्या आप इसे विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] वो यहोवा मनश्शे है। *एक ढाल है, एक रक्षक, हमारी शांति,* वह अभी ऐसा ही है। तो ठीक है, कितने लोग विश्वास करते हैं कि वे सारे यहोवा के छुटकारे के नाम यीशु पर लगाए गए थे? ["आमीन।"—सम्पा।] निश्चय ही। उसे लगाया जाना था। यदि वो—यदि वो... वह अलग नहीं

होते है, इसलिए उसके पास वे सारे नाम होने थे। और यदि वो अभी भी यहोवा यीरे है। वो यहोवा–राफा है। यदि वो यहोवा–यीरे है... वह *यहोवा–यीरे* है। "वो प्रभु का प्रयोजन किया हुआ उद्धार के लिए बलिदान।" वह *यहोवा–राफा* है। "वह प्रभु जो हमारी सारी बीमारियों से चंगा करता है।" आमीन। चंगाई केवल परमेश्वर से ही आ सकती है।

212 तो ठीक है, जबकि लोग कतार पर आ गए हैं; मेरे पास यह देखने के लिए समय नहीं है कि वे कौन है और वे क्या है। लेकिन अब, वहां पर वे सारे जो जानते हैं कि मैं उन्हें नहीं जानता हूं, अपने हाथ को उठाकर कहे, "मुझे परमेश्वर की आवश्यकता है। लेकिन आप मुझे नहीं जानते हैं, भाई ब्रन्हम, लेकिन मुझे परमेश्वर की आवश्यकता है। मैं केवल अपने हाथों को ऊपर उठाऊंगा।"

213 अब, यदि आप कुछ मिनटों के लिए ऐसे ही स्थिर रहें, ध्यान दें, और सावधान रहना और शांत बने रहे। अब मेरा मतलब यह नहीं है, जब मैं कहता हूं कि, "शांत बने रहे,"... यदि प्रभु कुछ भी करता है, आप उसकी स्तुति करना चाहते है; यही वो आराधना होती है। लेकिन मेरा मतलब यह है "यहाँ–वहां जाये और बस खड़े हो जाये," आप जानते हैं, यह अनादर करना है। समझे? और पवित्र आत्मा बहुत ही संकोचशील है, बहुत ही संकोचशील। समझे? बस इसी तरह से कुछ होता है, यह मुझे छोड़ देता है, और देखो, फिर से मेरे पास एक ही लड़ाई होती है। लेकिन यदि आप सुनेंगे!

214 क्या आपको उसकी पहली प्रतिज्ञा याद है? "जाकर लोगों को खुद पर विश्वास करने को लगाओ और फिर ईमानदार बने रहो, कोई भी प्रार्थना के आगे खड़ा नहीं होगा।" क्या आपको याद है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] यह सही है। और यही... मैंने अब तक इसे कभी भी चुकते हुए नहीं देखा है और यह कभी चुकेगा नहीं। यह परमेश्वर है।

215 अब हम प्रार्थना की पंक्ति के लिए जल्दी करेंगे, जिससे कि हम जितना हो सकता है ज्यादा से ज्यादा करेंगे, लोगों को देखते हुए। लेकिन आप जिनके पास प्रार्थना के कार्ड हैं, और जिन्हें आज रात को नहीं बुलाया गया, अपने कार्ड को पकड़े रहे, हम आप तक पहुंचेंगे। तो ठीक है।

216 अब याद रखे आप जो बाहर बिना प्रार्थना के कार्ड के साथ हैं। या आप जो बाहर हैं आपके पास प्रार्थना का कार्ड हो या नहीं हो, केवल विश्वास

करें कि वो इब्रानियों चौथे अध्याय के नाई यहां पर है, "वो महायाजक है जिसे हमारी दुर्बलताओं के अनुभव के द्वारा छुआ जा सकता है।" देखो, यदि वह ऐसा ही बना रहता है। यदि वो यहोवा उसके लोगों के बीच में खुद को प्रतिनिधित्व कर चुका है, जैसे उसने सदोम के दिनों में किया था। तो ठीक है।

217 तो ठीक है, श्रीमान। अब, आइए हम प्रार्थना करेंगे, वास्तव में उसे आदर देंगे। अब याद रखना, एक शब्द जो परमेश्वर से आता है, वह किसी के भी कुछ कहने से बढ़कर हो सकता है। अब यह व्यक्ति जो यहां पर हैं, मैं—मैं उसे नहीं जानता हूं। और मैं सोचता हूं वो... आप मेरे लिए एक अजनबी हैं, क्या आप हैं, श्रीमान? [वह भाई कहता है, "जी हां।"—सम्पा।] आप एक अजनबी हैं। हम एक बात को जानते हैं, हमें किसी दिन प्रभु की उपस्थिति में दोनों को खड़े रहना है; मनुष्य की नाई, हमें वहां पर मुलाकात करना है। यह हमारी पहली बार मुलाकात है।

218 अब यदि आप यहां पर आए हैं, तो आप बीमार हैं। मैं नहीं जानता; देखो, यह कुछ और हो सकता है। लेकिन यदि मैं—मैं आपके ऊपर हाथ रखता हूँ, और कहता हूँ, "प्रभु की स्तुति हो, जाये, आप चंगे हो गए है।" तो यह ठीक बात है। आप इसका विश्वास कर सकते हैं। लेकिन क्या हो, यदि वह आपको बताता है कि आपके साथ क्या गलत है? अब, देखो, यही फर्क है, तब आप जान जाते है कि यह उसके विशिष्ट गुण की पहचान देते हैं। देखो, यह मेरे विशिष्ट गुण नहीं होंगे। मैं एक मनुष्य हूं; मैं उसके बारे में कुछ भी नहीं जान सकता हूँ। मैं केवल उसे कह सकता हूं, "मैं तुम्हे नहीं जानता हूं।" वह मुझे नहीं जानता है। लेकिन यह क्या करेगा? वह यीशु मसीह के विशिष्ट गुणों की पहचान को देगा, वो वह, कल, आज और युगानुयग एक सा है। यह जानते हुए कि यह मैं नहीं हो सकता हूं, ये मैं नहीं हो सकता हूं क्योंकि मैं उस व्यक्ति को नहीं जानता हूं। मैं अपने हाथों को उठाऊंगा; *यहां* पर वो वचन है। देखा? मैं उसे नहीं जानता हूं। वह मुझे नहीं जानता है। लेकिन यीशु मसीह के विशिष्ट गुण...

219 यदि यहां पर यीशु मसीह खड़ा होता था तो; और वो व्यक्ति बीमार हैं। वह यदि कहता, "प्रभु यीशु मुझे चंगा कर।" यीशु उसके लिए क्या कहता? "मैंने इसे पहले से ही कर दिया है।" क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

220 "वह हमारे अपराधों के कारण घायल हुआ; उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए थे।" वो सारा छुटकारा जो हमारे पास हो सकता था, उसे कलवरी पर पूरा कर दिया है। तब से लेकर, यही विश्वास है कि उसके समाप्त हुए काम को विश्वास करें। क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तो ठीक है।

221 अब, यदि यीशु मसीह अब जीवित है, और मैंने उसके वचन को बताया है... वहां पर आप हैं, वापस उस साधारणता और विश्वास की ओर जाये, उसके वचन पर विश्वास करते हुए। जब उसने मुझसे उस रात को मुलाकात की, उसने कहा, "तुम ऐसा करोगे कि यहां तक तुम उनके हृदय के गुप्त बातों को जानोगे। वे उस हाथ के पहले चिन्ह को विश्वास नहीं करते है, उन्हें इस एक पर विश्वास करना होगा। देखा? वह ऐसे नहीं करते हैं। तब लहू धरती को श्रापित करता है।

222 बिल्कुल वैसे ही जैसे इसने मूसा के समय में किया। कहा, "उनके दो चिन्हों को विश्वास नहीं करते है, तब धरती पर लहू को उंडेल दो। देखो, धरती पर जल को उंडेलो, यह लहू बन जायेगा।"

223 अब, केवल इसे देखने के लिए। यदि मैं केवल देख सकता हूं कि तुम्हारी परेशानी क्या है, जो तुम्हें संतुष्ट करेगी और विश्वास करने को लगायेगी, क्या यह ऐसा नहीं है? [भाई कहता है, "निश्चय ही।"—सम्पा।] आप जानते हैं, यह उस व्यक्ति के विशिष्ट गुण होने हैं, जिसके बारे में बोल रहा हूं, वह यीशु मसीह है।

224 वह व्यक्ति, जैसे मैंने उसकी ओर अभी देखा है, पीछे जाते हुए। वह छाया किए हुए हैं। वहां पर ऐसी कोई चीज नहीं है, जो दवाई उस मनुष्य की सहायता करें। वह एक मरने की अवस्था में है। यह सही बात है। उसका एक ऑपरेशन हो चुका है, और वो ऑपरेशन प्रोस्टेट ग्रंथी का ऑपरेशन था। और वह कैंसर है, और यह कैंसर पूरी तरह से तुम में फैल चूका है। और यदि यह सही है, तो अपने हाथ ऊपर उठाये। केवल परमेश्वर ही उसे चंगाई दे सकता है। [भाई कहता है, "हाल्लेलुय्या! हाल्लेलुय्या! हाल्लेलुय्या!—सम्पा।] लेकिन, देखो, मैं आपसे कुछ तो कहना चाहता हूं, श्रीमान। हो सकता है, वो शैतान ने डॉक्टर की छुरी से इसे छिपा कर रखा हो, लेकिन वो परमेश्वर से नहीं छुपा सकता है। क्या आप यह विश्वास करते हैं? क्या आप इसे विश्वास करते हैं? ["ओह! ओह!"] तब मैं प्रार्थना करता हूं कि यीशु मसीह

के नाम में, होने पाए वो चीज उसे छोड़ कर चली जाये, होने पाये वो मनुष्य जीये। कुछ नहीं; केवल कमजोरी है। तो ठीक है।

225 आप और मैं एक दूसरे के लिए अजनबी है, एक पुरुष और एक स्त्री मुलाकात करते है। अब एक मनुष्य होने के नाई, मैं आपको नहीं जानता हूं। और हो सकता है एक महिला होने के नाई तुम मुझे नहीं जानती हो; और ज्यादा कुछ नहीं तुमने मेरे नाम को सुना है, या तस्वीर को देखा है या इसी तरह से कुछ। लेकिन हम एक दूसरे को नहीं जानते हैं। यही हमारे गुण हैं। हम एक दूसरे के गुणों को नहीं जानते हैं। लेकिन मसीह के विशिष्ट गुण, वो वचन है, और वचन इस दिन के लिए प्रतिज्ञा है। आपने मुझे इसे कहते हुए सुना है। तब उसके विशिष्ट गुण यहाँ उसकी पहचान को देंगे। मैं उसकी पहचान को नहीं देता हूं। मैं आपको नहीं जानता। आप समझते हैं। हमारे सभा के लोग यह समझते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] देखा? मैं—मैं तो एक मनुष्य हूं। मैं केवल तुम्हारा भाई हूं।

226 जैसे कुए पर वह स्त्री थी, उसे बताया, क्या गलत है, कुछ तो तुम्हारे साथ गलत है, या तुम क्या चाहती हो, या तुम यहां पर क्यों हो। परमेश्वर इसका न्याय करे। तुम रक्तहीनता की अवस्था से गुजर रही हो। क्या यह सही है, क्या ऐसा नहीं है? [वह बहन कहती है, "जी हां।"—सम्पा।]

227 मैं—मैं निरंतर उस पर देखता हूं, कोई तो सोच रहा है, कि मैंने अनुमान लगाया है । मैं इसे अनुमान नहीं लगता हूं। नहीं । हर समय, हर एक बार, मैं महसूस करता हूं कि कोई तो ऐसा सोचता है। अब आप अपने विचारों को नहीं छुपा सकते हो। वहां पर मैं इसके बारे में जानता हूं, यहां पर दो गलत शंकाशील व्यक्ति बैठे हुए हैं। देखा? इसलिए अब याद रखना, मैं तुम्हारे को भी नाम बुला सकता हूं, परमेश्वर बुला सकता है, इसीलिए तुम इसे सोचना बंद करो। मैं तुम्हें दिखाऊंगा।

228 यहां देखो, महिला। मेरी ओर देखो। मैं नहीं जानता कि उसने तुम्हें क्या कहा है, लेकिन मैं—मैं जानता हूं कि यह क्या है। और यही उसके विशिष्ट गुण पहचाने गए हैं। हां। यह रक्तहीनता की अवस्था है, वह लहू, जल।

229 अब, यहां पर, यहां कुछ तो है। देखो, यदि वे इसे सोचते हैं कि यह अनुमान लगाना है। तुम्हारा एक बालक है, जिसके लिए तुम प्रार्थना कर रही हो, जो यहां पर है। [वह बहन कहती है, "हां।"—सम्पा।] यह सही है। यह उसके गले में है। ["जी, हाँ।"] टॉन्सिल्स, एडीनाइड। इसका ऑपरेशन

होना है। क्या यह सही है? ["जी, हाँ।"] रुमाल को लेकर और उस पर रखना, और विश्वास करे। ["जी, हाँ"] संदेह मत करना। इसकी एक ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं है। अपने पूरे हृदय से विश्वास करो।

230 आप कैसी हैं? इस महिला की बात यह है, आप किसी बात के लिए डर रही हैं। आप डरी हुई है कि आपका जो जन्म का चिन्ह है कि वो कैंसर में बदल गया है। [वह बहन चिल्लाने लगती है, "ओह!"—सम्पा।] अब जाओ, विश्वास करते रहो और इसी तरह से नहीं होगा। केवल जाकर, अपने पूरे हृदय से विश्वास करे। विशिष्ट गुण, ना ही मेरे; उसके विशिष्ट गुण।

231 क्या अब आप विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] यह हर किसी को विश्वास करने को लगाएगा। ["आमीन!"]

232 अब मैं आपको नहीं जानता हूँ। मैं आपके लिए एक अजनबी हूं। परमेश्वर आपको जानता है। क्या आप इसे विश्वास करती हैं? आप यह जानती हैं कि मैं आपको नहीं जानता हूँ. और आप मुझे नहीं जानती, इसलिए क्या आप विश्वास करती हैं कि ये आत्मा जो बोल रहा है, मेरा आत्मा नहीं हो सकता है? क्योंकि मैं, एक मनुष्य होने के नाते, मैं आपको नहीं जानता हूं। लेकिन प्रतिज्ञा वचन के विशिष्ट गुण वो वचन है, जो दोधारी तलवार के समान हैं और हमारे विचारों के परखता है और हृदय की भावनाओ को जांचता हैं।

233 आप बहुत ही बीमार हैं। आपके पास एक स्त्रियों की समस्या थी, जो गर्भ में थी और वह गर्भ में कैंसर था। और आपने जाकर और एक तरह के इलाज को किया और यह रेडियम का इलाज था, और केवल इसी जरिए से इसे किया जाना था, जिससे यह आपमें फैल गया है। और आप—आप मर जाएगी, यदि परमेश्वर आपको चंगाई नहीं देता है। यही सत्य है। क्या अब आप विश्वास करती है वो आपको चंगाई देगा? [बहन कहती है, "जी हां।"—सम्पा।] होने पाये वो स्वर्ग का परमेश्वर उस शैतान को डांटे जो उस डॉक्टर से छिपा हुआ था। ["ओह!"] वो हो सकता है, उस रेडियम से छिपा हुआ होगा, लेकिन पवित्र आत्मा से नहीं छिप सकता है। जाओ, अब उस पर विश्वास करो, बहन। किसी प्रकार से शंका मत करना, लेकिन परमेश्वर पर विश्वास करना। ["ओह, परमेश्वर मुझे चंगाई दे!"]

234 क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर उस अवस्था से चंगा कर सकता है, और आपको ठीक कर सकता है? [भाई कहता है, "जी हां।"—

सम्पा।] आप इसे विश्वास करते हैं? तब आप अपने मार्ग पर आनंद करते हुए जाये, कहते हुए, "धन्यवाद प्रभु। मैं विश्वास करता हूं कि मेरा अस्थमा जा चुका है।"

235 आप कैसे हैं? आप परेशान हैं। आप बहुत लंबे समय से परेशान हैं। वहां पर, इसका कारण एक पाचक सम्बन्धी अल्सर है, जो आपके पेट पर आया है, जो आप—आपको पेट की समस्या देता है। और आप चाहते हैं... आप अपने भोजन को खाना चाहते हैं। क्या आप वही करेंगे जो मैं आपको करने के लिए कहता हूं? जाओ, और खाओ, प्रभु यीशु के नाम से।

236 क्या आप अपने पूरे हृदय से विश्वास करती हैं? [वह बहन कहती है, "मैं करती हूं।"—सम्पा।] आप एक बहुत ही अच्छी युवा महिला दिखाई देती है है। क्या आप मुझ पर उसका सेवक होने का विश्वास करती हैं? ["आमीन।"] आप विश्वास करती हैं कि उसके विशिष्ट गुण भी यहां पर हो सकते हैं, वो स्वयं वचन, इस दिन की जो प्रतिज्ञा है, "जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे? " ["आमीन।"] मैं चंगाई नहीं दे सकता हूं। उसने पहले से ही इसे कर दिया है; लेकिन उसके विशिष्ट गुण उसे प्रदर्शित करते हैं, बता सकते हैं कि तुम्हारे साथ क्या गलत है। आपको एक स्त्री समस्या है, महिलाओं की समस्या है। ["जी हां, श्रीमान।"] क्या आप यह विश्वास करती हैं, परमेश्वर इसे अभी चंगा करता है? ["हां, आमीन।"] अपने मार्ग पर जाओ, अब ये तुम्हे और अधिक चिंतित नहीं करेगा। अपने पूरे हृदय से विश्वास करो।

237 क्या आप मुझे उसका सेवक होने का विश्वास करोगे? [बहन कहती है, "जी हां, श्रीमान।"—सम्पा।] यदि परमेश्वर मुझे बताएगा कि आपकी समस्या क्या है, तो क्या आप विश्वास करेंगी, यही यीशु मसीह के विशिष्ट गुण हैं? यह आपकी पीठ पर हैं। अब ये और नहीं होगा। जाओ, अपने हृदय से विश्वास करो। विश्वास करो।

238 आइये, महिला। आपको भी पेट की समस्या है। अपने पूरे हृदय से विश्वास करें। और जाकर अपने भोजन को खाये। इसके बारे में भूल जाये। यीशु मसीह आपको चंगा करता है।

239 आइये। आपकी समस्या आपका लहू है। आपको मधुमेह है। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको ठीक करेगा और आपको इससे

चंगाई देगा? अपने मार्ग में जाये और कहे, "आपका धन्यवाद, प्रभु यीशु।" आपको चंगा करता है। जाये, अपने पूरे हृदय से विश्वास करें।

240 आइए। आपकी पीठ, क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको पीठ की बीमारी से चंगा करेगा और आपको ठीक करेगा? अपने मार्ग पर जाये, आनंद करे, और कहें, "धन्यवाद, प्रभु यीशु।"

241 आपकी भी पीठ के साथ कुछ गलत था। केवल बढ़ते रहें, कहते हुए, "धन्यवाद प्रभु। मैं चंगा हो गया हूं।" इसे पूरे हृदय से विश्वास करें।

242 आपको भी पीठ की समस्या है। आप इसके बारे में क्या जानते हैं? अब अपने पूरे हृदय से विश्वास करें, और अपने मार्ग पर जाएं और चंगे बने रहे। विश्वास करें यीशु मसीह आपको चंगा करता है। "यदि आप विश्वास कर सकते है तो सारी बातें संभव है।" तो ठीक है।

243 क्या हो, यदि मैं आपको कुछ भी ना बताऊं; ऐसे ही आप निकल जाते हैं, और उस स्त्री पर अपने हाथों को रखते हैं, क्या आप विश्वास करते हैं वो चंगी हो जाएगी? वे देखते हैं कि क्या गलत है। क्या विश्वास करते हैं वह होगी? यहां पर आ जाएं, मैं इस शैतान को वापस भेजता हूं, यीशु मसीह के नाम में। होने पाए, परमेश्वर का सामर्थ बालक को चंगा करें। आमीन। संदेह मत करना। किसी तरह से संदेह मत करना, और वह चंगा हो जाएगा। अपने पूरे हृदय से विश्वास करें।

244 यदि परमेश्वर आपको चंगा नहीं करता है तो आप किसी दिन उस गठिया रोग के साथ बैसाखी पर होंगे। लेकिन क्या आप विश्वास करते हैं, कि परमेश्वर आपको आपके गठिया रोग से चंगा करेगा? तब, जाये और कहें, "धन्यवाद प्रभु, मैं विश्वास करुंगा और आप मुझे चंगा करेंगे।" तो ठीक है।

245 अब आये। यह वास्तव में आप की उम्र है। आप बहुत ही परेशान है। देर संध्या को बहुत ही परेशानी होती है। जब आप काम करते हैं, और सब चीजों को करते है, आप बहुत ही परेशान हो जाते हैं। अब आप विश्वास करेंगे? तब यह आपको और ज्यादा चिंतित नहीं करेगी। अपने मार्ग पर कहते हुए जाये, "आपका धन्यवाद, प्रभु यीशु।"

246 आ जाये, श्रीमान। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको हृदय की समस्या से चंगाई देता है? [वह भाई कहता है, "हाँ।"—सम्पा।]

क्या वो आपके हृदय को ठीक करेगा? अब आगे बढ़ते रहिए और कहते जाइये, "धन्यवाद प्रभु, मैं अपने पुरे हृदय से विश्वास करता हूं।"

247 परमेश्वर टी बी से चंगाई देता है, और आपको ठीक भी करता है। क्या आप इसे अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हैं, श्रीमान? [वह भाई कहता है, "मैं इसे विश्वास करता हूं।"—सम्पा।] अच्छी बात है। अपने मार्ग पर आनंद करते हुए, कहते जाये, "धन्यवाद, प्रभु यीशु।"

248 वहां जो बाहर है, आपके बारे में क्या है, क्या आप विश्वास करते हैं? श्रोताओं के बारे में क्या है? आपमें से कुछ श्रोतागण इसे विश्वास करें।

249 यह मनुष्य जो ठीक यहां पर बैठा है, उसे कंठ की सुजन है, क्या विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको कंठ की सुजन की समस्या से चंगा करेगा? अच्छी बात है। तब आपके पास वो होगा, जो आपने मांगा है। आमीन।

250 उसे तेज रक्तचाप है, जो ठीक यहां उस व्यक्ति के पीछे बैठा हैं। क्या विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको आपके तेज रक्तचाप से चंगा करेगा? इसने आपको छोड़ दिया है, श्रीमान। मैं उसे नहीं जानता हूँ, मैंने उसे अपने जीवन में कभी भी नहीं देखा है।

251 कहिए, श्रीमान क्या विश्वास करते हैं कि उन मांसपेशीयो की ऐठन से, जो गंभीर मांसपेशीयो की ऐठन है, क्या विश्वास करते हैं परमेश्वर आपको चंगा करेगा? क्या आप करते हैं? अपने हाथों को ऊपर उठाये, यदि आप विश्वास करते हैं तो। अच्छी बात है।

252 आप की पत्नी यहां पर बैठी हुई है, वह उस साइनस की समस्या से चिंतित है। क्या आप विश्वास करते हैं, यह आप को भी छोड़ जा चुकी है, बहन?

253 वह महिला ठीक यहां हमारे पीछे फिर बैठी हुई है, उसे न्यूरेटिस है। क्या आप विश्वास करती हैं महिला, परमेश्वर आपकी न्यूरेटिस से चंगाई देगा?

254 यहां एक महिला एक छोटे से कोर्ट को डालकर बैठी हुई है, यहाँ जो रंग का लाल कोर्ट है। वहां पर बैठी हुई है। उसे साइनस की समस्या है। क्या विश्वास करती हैं कि परमेश्वर आपको साइनस की समस्या से चंगा करेगा? अपने हाथों को ऊपर उठाये, यदि आप इसे विश्वास करती है तो।

255 यहां पर कोई ऐसा है, जो विश्वास करता है कि यीशु मसीह के विशिष्ट गुण आज रात हमारे बीच में हैं, अपने हाथों पर उठाए, कहे, "मै इसे विश्वास करता हूं।" [सभा आनंद करती है और कहती है, "मैं इसे विश्वास करता हूँ।"—सम्पा।]

256 जो भी यहां पर हैं, उसे अपना चंगाकर्ता करके ग्रहण करेंगे, अपने पैरों पर खड़े हो जाएं, और कहे, "मैं इसे विश्वास करता हूं।" उठकर, अपने कुर्सियों से खड़े हो जाये, हाथों को उठाये। जो कुछ भी यह है। यीशु मसीह कल, आज और युगानुयग एक सा है। मैं आपको प्रभु परमेश्वर के नाम में देता हूं।

परमेश्वर अपने विशिष्ट गुणों के द्वारा अपनी पहचान को दे रहा है HIN64–0320

(God Identifying Himself By His Characteristics)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में शुक्रवार शाम, 20 मार्च, 1964 को देंहम स्प्रिंगस हाई स्कूल, देंहम स्प्रिंगस, लुईसियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है, और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org